विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, रविवार, 08 फरवरी 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 41 | पेज- 08 | मूल्य- 1 रुपए/-

ज्ञानामृत

कठोर वचन तुम्हारे शरीर को भेद नहीं सकते। अगर कोई आपके बारे में बुरा बोलता है, तो बस बेफिक्र होकर चलते रहें।

▶▶ साईं बाबा

अमेरिका ने पीओके-अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दर्शाया, अखंड भारत का नक्शा वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते के बाद अमेरिका की ओर से साझा किए गए एक भारतीय मानचित्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा को जन्म दे दिया है। इस मानचित्र में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन को भारत का अभिन्न हिस्सा दर्शाया गया है। मानचित्र सामने आते ही यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यह मानचित्र अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा जारी सामग्री में शामिल था, जिसे भारत-अमेरिका व्यापार सहयोग से जुड़े संदर्भ में सार्वजनिक किया गया। मानचित्र में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के वे सभी क्षेत्र भारत की सीमाओं के भीतर दिखाए गए हैं, जिन पर भारत लंबे समय से अपना संप्रभु दावा करता रहा है।

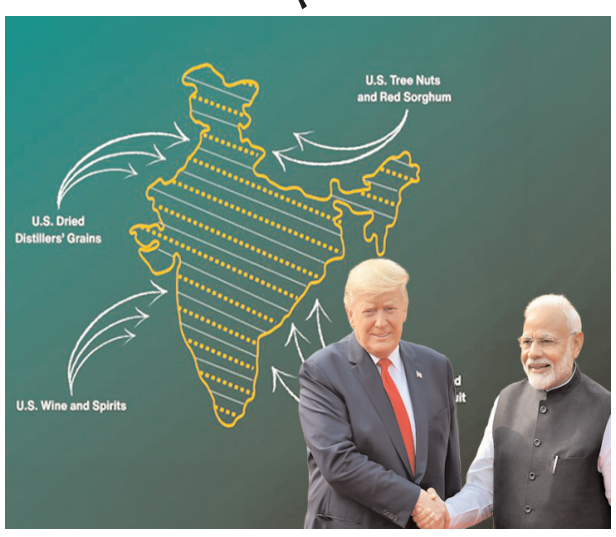

भारत की क्षेत्रीय अखंडता के अनुरूप प्रस्तुति

सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद इस मानचित्र को भारत की क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रस्तुति प्रतीकात्मक रूप से भारत के रुख के अनुरूप है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अक्सर इन क्षेत्रों को विवादित रूप में दिखाया जाता रहा है।

पीओके और अक्साई चिन पर भारत का स्पष्ट रुख

भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि पीओके और अक्साई चिन उसके अभिन्न अंग हैं। पीओके पर वर्तमान में पाकिस्तान का नियंत्रण है, जबकि अक्साई चिन चीन के नियंत्रण में है। इन क्षेत्रों को लेकर भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन के बीच लंबे समय से कूटनीतिक और रणनीतिक विवाद चले आ रहे हैं।

कूटनीतिक हलकों में चर्चा तेज

अमेरिका द्वारा इस प्रकार का मानचित्र साझा किए जाने के बाद कूटनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में बढ़ते सामरिक और आर्थिक सहयोग के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अमेरिका की ओर से इस मानचित्र को लेकर कोई औपचारिक राजनीतिक वक्तव्य जारी नहीं किया गया है।

पाक पीएम बोले थे- कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा

अमेरिका ने यह मैप शेयर कर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 5 फरवरी को बयान जारी कर कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

न्यूज इन शॉर्ट

सेमीकंडक्टर निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा भारत: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश में सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण के क्षेत्र में हो रहे प्रगति पर बड़ी बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि भारत अब इस

महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्र में सुदृढ़ इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जिससे देश की तकनीकी क्षमताओं में मजबूती आएगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी भागीदारी बढ़ेगी। वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर सिर्फ कंप्यूटर चिप नहीं हैं, बल्कि आधुनिक तकनीक की रीढ़ हैं, जो मोबाइल, ऑटोमोबाइल, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और एआई जैसे क्षेत्रों को चार-गुना गति से आगे बढ़ाती हैं। उन्होंने बताया कि भारत की पोलिसी, निवेश और अनुसंधान सेमिफैक्टर डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग को समर्थन दे रही है, जिससे घरेलू कंपनियों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है।

सूडान में आरएसएफ के हमले में आठ बच्चे समेत 24 की मौत, विस्थापितों को ले जा रहे वाहन को बनाया निशाना

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में पिछले तीन साल से जारी गृह युद्ध के चलते देश में मानवीय संकट और ज्यादा गहरा होता जा रहा है। सेना और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच

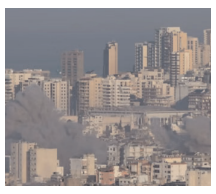

जारी संघर्ष ने देश की राजनीतिक पारदर्शिता को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी बीच सूडान के नॉर्थ कोर्डोफान प्रांत के रहाद के पास शनिवार को एक ड्रोन हमले में कम से कम 24 लोग मारे गए, जिनमें आठ बच्चे भी शामिल हैं। यह हमला देश के कुख्यात पैरा-मिलिट्री समूह रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने किया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार मृतकों में दो शिशु भी शामिल हैं। हमला उस वाहन पर हुआ था जिसमें दुबेकिर इलाके से भागे हुए विस्थापित लोग जा रहे थे।

सबरीमाला सोना चोरी: एसआईटी ने यूडीएफ संयोजक से की पूछताछ

कोच्चि, एजेंसी। केरल के प्रसिद्ध साबरिमाला मंदिर से जुड़े सोना गुमशुदगी मामले में जांच तेज हो गई है। इस प्रकरण में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने यूडीएफ संयोजक और

कांग्रेस सांसद अडूर प्रकाश से पूछताछ की है। जांच एजेंसी ने उनसे मामले से संबंधित जानकारी, घटनाक्र म की जानकारी और सार्वजनिक बयानों के आधार पर सवाल किए। सूत्रों के अनुसार, एसआईटी ने अडूर प्रकाश से मंदिर प्रशासन, सोने के भंडारण और रिकॉर्ड से जुड़े बिंदुओं पर स्पष्टता मांगी। उनसे यह भी पूछा गया कि उन्हें मामले की जानकारी कब और कैसे मिली तथा उन्होंने किन तथ्यों के आधार पर बयान दिए। पूछताछ के दौरान एसआईटी ने कुछ दस्तावेजों और सूचनाओं की भी जांच की है। यह मामला उस समय सामने आया था, जब मंदिर से जुड़े सोने के वजन और अभिलेखों में अंतर पाए जाने के आरोप लगे थे।

अमृत भारत योजना: 172 रेलवे स्टेशनों का मेकओवर पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 172 रेलवे स्टेशनों का मेकओवर पूरा कर लिया गया है। यह परियोजना भारतीय रेलवे की सबसे बड़ी पहल में से एक मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, सुविधाजनक और

साफ-सुथरा स्टेशन अनुभव देना है। इन 172 स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, बेहतर प्रवेश द्वार, उपनगरीय कॉरिडोर, फुटओवर ब्रिज, वेटिंग हॉल, डिजिटल सूचना बोर्ड, साफ सफाई सुविधाएं, बेहतर वाटर और पावर सप्लाई जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा यात्रियों के आराम के लिए बैठने की व्यवस्था, शौचालय और पारदर्शी सुरक्षा सुविधाओं को भी उन्नत किया गया है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इन बदलावों से न केवल यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, बल्कि यात्रियों की भीड़ और ट्रैफिक प्रबंधन भी और अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा।

राष्ट्रपति मुर्मू संग मुख्यमंत्री ने किया बस्तर पंडुम-2026 का शुभारंभ

आदिवासियों की संस्कृति में बसती है छत्तीसगढ़ की आत्मा : राष्ट्रपति मुर्मु

विजय मत, ब्यूरो जगदलपुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार सुबह बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर पहुँचीं, जहाँ उन्होंने संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम-2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति में छत्तीसगढ़ की आत्मा बसती है। अपने उद्बोधन की शुरुआत उन्होंने बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के जयघोष के साथ की। राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का ऐसा राज्य है, जहाँ सरकार संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और प्राचीन विरासतों के संरक्षण के लिए बस्तर पंडुम जैसे आयोजन कर रही है। यह आयोजन आदिवासियों की गौरवशाली संस्कृति का जीवंत प्रतिबिंब है। जगदलपुर के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित शुभारंभ समारोह में बड़ी संख्या में आदिवासी कलाकार और विशाल जनसमूह उपस्थित रहा। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रदेश की सरकार जनजातीय समाज के उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। पीएम जनमन, प्रधानमंत्री जनजातीय गौरव उत्कर्ष अभियान और नियद नेल्ला नार जैसी योजनाओं के माध्यम से आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

बस्तर समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की धरती: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माँ दंतेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का बस्तर पंडुम में आना बस्तर के लिए आशीर्वाद और जनजातीय समाज के लिए सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम केवल आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के जीवन, आस्था, बोली-भाषा, नृत्य-गीत, वेशभूषा, खान-पान और जीवन-दर्शन का सजीव रूप है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष बस्तर पंडुम के लिए 12 विधाओं में 54 हजार से अधिक कलाकारों ने पंजीयन कराया है, जिनमें नृत्य, गीत, नाट्य, शिल्प, चित्रकला, व्यंजन, पेय पदार्थ, आंचलिक साहित्य और वन-औषधियाँ शामिल हैं।

डर की जगह भरोसा, हिंसा की जगह विकास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जहाँ कभी नक्सलवाद और हिंसा की पहचान थी, वहाँ अब भरोसा और विकास ने जगह ले ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि जहाँ कभी गोलियों की आवाज़ गूंजती थी, आज वहाँ स्कूलों की घंटी बजती है और राष्ट्रगान की गूंज सुनाई देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियद नेल्ला नार, प्रधानमंत्री जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान आदिवासी क्षेत्रों में विकास के मील के पत्थर हैं।

आदिवासी बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर

राष्ट्रपति ने बस्तर क्षेत्र में आदिवासी बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष बल देते हुए कहा कि शासन के साथ-साथ समाज और माता-पिता को भी आगे आना होगा। उन्होंने बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपराओं की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्राचीन परंपराओं की जड़ें आज भी मजबूत हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर पंडुम-2026 में 54 हजार से अधिक आदिवासी कलाकारों ने पंजीयन कराया है, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से गहरे जुड़ाव का प्रमाण है। राष्ट्रपति ने कहा कि हिंसा का मार्ग छोड़कर माओवादी मुख्यधारा में लौट रहे हैं, लोकतंत्र के प्रति आस्था बढ़ी है। वर्षों से बंद विद्यालय पुन: खुल रहे हैं, दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में सड़कें-पुल बन रहे हैं और ग्रामीणजन विकास से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चार दशकों तक माओवाद से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में अब शांति और प्रगति का वातावरण बन रहा है।

शताब्दी समारोह को भागवत ने किया संबोधित

संघ का उद्देश्य समाज को जोड़ना देश को सशक्त बनाना

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित शताब्दी समारोह में संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ का मूल उद्देश्य समाज को जोड़ना और देश को सशक्त बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ की विचारधारा किसी के विरोध में नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण पर आधारित है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की असली ताकत उसकी साझी संस्कृति और सामाजिक एकता में निहित है। संघ बीते सौ वर्षों से इसी विचार के साथ समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मजबूत राष्ट्र का निर्माण केवल सत्ता या सरकार से नहीं, बल्कि संगठित और जागरूक समाज से होता है। अपने संबोधन के दौरान मोहन भागवत ने कहा कि भारत को सशक्त और विकसित बनाने के लिए समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

हम सबका सांस्कृतिक डीएनए एक

भागवत ने कहा कि भाषा, पंथ, क्षेत्र और परंपराओं में विविधता के बावजूद सभी भारतीयों का सांस्कृतिक डीएनए एक है। यही साझा पहचान भारत को सदियों तक एक सूत्र में बांधे हुए है। उन्होंने कहा कि भारतीयता किसी एक वर्ग या समुदाय की नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की सामूहिक पहचान है।

राष्ट्रवाद की समावेशी परिभाषा

सरसंघचालक ने स्पष्ट किया कि संघ का राष्ट्रवाद समावेशी और सहयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि 'हिंदू' शब्द को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं, बल्कि संस्कृति और जीवन-पद्धति के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसमें सभी को साथ लेकर चलने की भावना निहित है। संघ का प्रयास यही है कि समाज में किसी प्रकार का भेदभाव न रहे। भागवत ने कहा कि आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से समाज में अपनी भूमिका निभाई है।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का दावा : स्पीकर कक्ष में 40-50 सांसद घुसे, विपक्ष जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में गतिरोध और हंगामे पर केंद्रीय किरेन रिजिजू ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान स्पीकर के कक्ष में लगभग 40-50 सांसद घुस आए थे, जिससे कार्यवाही बाधित हुई और प्रधानमंत्री का बहस में भाग नहीं ले पाना पड़ा। रिजिजू ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराया है। केंद्रीय मंत्री का कहना है कि संसद की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन विपक्ष ने जानबूझकर गर्मा-गर्म बहस के दौरान स्पीकर के कक्ष की सीमा लांघ दी। रिजिजू ने कहा कि इससे सदन में चल रही महत्वपूर्ण चर्चाओं में व्यवधान पैदा हुआ, जिसके कारण प्रधानमंत्री तक अपना जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का मकसद सरकार को असहज करना और संसद का शिष्टाचार बिगाड़ना था।

सीएम साय ने एयरपोर्ट में गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत किया।

बीएमसी चुनाव: मेयर उम्मीदवार भाजपा की ऋतु तावड़े ने किया नामांकन दाखिल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मेयर पद को लेकर तस्वीर लगभग साफ हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने मेयर पद के लिए ऋतु तावड़े को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया है। बीजेपी पार्षद ऋतु तावड़े ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका मेयर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि मेयर बनने के बाद वो मुंबई से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाएंगी। मेयर का पद इस बार ओपन कैटेगरी में महिला उम्मीदवार के लिए आरक्षित है, ऐसे में यह तय माना जा रहा है कि मुंबई को एक बार फिर महिला मेयर मिलने जा रही है।

मलेशिया पहुंचे प्रधानमंत्री, पीएम इब्राहिम ने किया स्वागत

यह भारतीयों के प्रति उनका स्नेह, मलेशिया में जल्द शुरू होगी यूपीआई सेवा : मोदी

कुआलालंपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मलेशिया पहुंचने पर असाधारण दृश्य देखने को मिला, जब मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम स्वयं हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने पहुंचे। इसे दोनों देशों के बीच बढ़ती मित्रता और आपसी सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस आत्मीय स्वागत के लिए प्रधानमंत्री इब्राहिम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारतीय समुदाय के प्रति उनके प्रेम और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मलेशिया में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध बेहद मजबूत हैं।

मलेशिया में जल्द शुरू होगी यूपीआई

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को मलेशिया में जल्द शुरू किया जाएगा। इससे मलेशिया में रहने वाले भारतीयों और भारत से आने वाले पर्यटकों को लेन-देन में बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने भारत में डिजिटल भुगतान को सरल, सुरक्षित और तेज बनाया है और अब यह प्रणाली अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रही है।

भीषण हादसा: यमुना एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों को कंटेनर ने रौंदा, छह की मौत

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के सुरीर थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर शनिवार तड़के एक सड़क हादसे में छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में माइल स्टोन 88 के पास सुबह करीब पौने तीन बजे यह हादसा उस समय हुआ जब दिल्ली के नांगलोई से कानपुर के रसूलाबाद जा रही एक निजी बस यमुना एक्सप्रेस-वे से गुजर रही थी। रास्ते में कुछ यात्रियों ने लघुशंका के लिए चालक से बस रोकने का अनुरोध किया। बताया जा रहा है कि चालक ने निर्धारित ग्रीन जोन में बस न रोककर सड़क किनारे ही बस खड़ी कर दी। इसके बाद कई यात्री बस से उतरकर नीचे खड़े हो गए।

महिला को गर्भ जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता : सुको

अदालत ने दी 30 सप्ताह के गर्भ की समाप्ति को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी भी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भ को पूरा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र की एक नाबालिग से जुड़े मामले में 30 सप्ताह के गर्भ की समाप्ति की अनुमति देते हुए कहा कि महिला की प्रजनन स्वायत्तता संविधान द्वारा संरक्षित अधिकार है। न्यायालय ने कहा कि गर्भ जारी रखना या समाप्त करना पूरी तरह महिला का व्यक्तिगत निर्णय है और अदालतें किसी महिला पर मातृत्व थोप नहीं सकतीं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि गर्भ कैसे ठहरा।

क्या है पूरा मामला

मामला महाराष्ट्र की एक नाबालिग लड़की से जुड़ा है, जिसका गर्भ 30 सप्ताह का हो चुका था। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने गर्भ जारी रखने और बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का सुझाव दिया था। इसके खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया और गर्भ समाप्ति की अनुमति दी। अदालत ने कहा कि यदि कोई महिला या नाबालिग लड़की मानसिक, सामाजिक या शारीरिक कारणों से गर्भ जारी नहीं रखना चाहती, तो उसे मजबूर करना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। | कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

अल्ट्राटेक रावन एवं शासन की सहभागिता द्वारा 55 स्प्रिंकलर सेट 30 पेट्रोल एवं इलेक्ट्रीक वाटर लिफ्टींग पंप किसानों को प्रदत्त

विजय मत, बालोद

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा उन्नत कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किसानों को सिंचाई उपकरणों का वितरण किया गया। संयंत्र प्रमुख राजेश कुमार एवं एफएच-एचआर करन मिस्त्री के मार्गदर्शन मे इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई एवं शाकम्भरी योजना के तहत शासन के मापदंडों को पूर्ण करने वाले 85 चयनित किसानों को 55 स्प्रिंकलर सेट तथा 30 पेट्रोल एवं इलेक्ट्रिक वाटर लिफ्टिंग पंप प्रदान किए गए , जिसमें प्रत्येक किसान को अल्ट्राटेक सीएसआर द्वारा अंशदान राशि में सहयोग किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के अनिल कुमार दीवान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड सिमगा तथा सुचिन कुमार वर्मा कृषि विकास अधिकारी पलारी ने प्रधानमंत्री आशा योजना, दलहन तिलहन का पंजीयन, बीज उत्पादन कार्यक्रम, फसल अवशेष का उपयोग के बारे में विशेष जानकारी दी साथ ही साथ स्प्रिंकलर, पेट्रोल एवं इलेक्ट्रीक पंप से होने वाले लाभ के बारे में किसानो को अवगत कराया एवं अल्ट्राटेक को उसकी कार्य का सराहना करते हुए शासन की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया । स्प्रिंकलर, पेट्रोल एवं इलेक्ट्रीक पंप से लाभान्वित किसान मुख्यता रावन झीपन कसहीडीह, पेंड्री, चुचरुंगपुर, गुमा, तिल्दाबाधां, छिराही, पडकीडीह, खपराडीह, औरासी, सरसेनी, फुलवारी, रवेली गांवो के है। अबतक सीएसआर द्वारा कुल 260 स्प्रिंकलर सेट एवं 126 पेट्रोल एवं इलेक्ट्रीक पंप वितरीत किये जा चुके है। समस्त किसानो ने अल्ट्राटेक को कृषक अंशदान में राशि के लिए सहयोग प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में रावन उपसरपंच टाकेश्वर वर्मा, सरसेनी सरपंच टीकेश्वर देवांगन एवं पेड्री सरपंच प्रतिनिधी ढालेन्द्र निषाद की उपस्थिति रही।

सी एस आर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव ने स्प्रिंकलर, पेट्रोल एवं इलेक्ट्रीक पंप के बहुआयामी उपयोग के बारे में बताया तथा अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। सी एस आर टीम से द्वारिका वर्मा, सुरेन्द्र यादव, ताराचंद वर्मा, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, सुनीता निषाद, साहिल बांधे, गुमान साहू की भूमिका रही।

दिल्लीवार कूर्मि समाज का वार्षिक अधिवेशन में 10 सेकंड की तेज हवा ने उड़ा दिया पंडाल, अचानक हवा से पंडाल के कई पाइप टूटे

- दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज के अधिवेशन में द्वितीय पहर के कार्यक्रम में बाधा
- प्रथम पहर के कार्यक्रम में वक्ताओं ने समाज को एकजुट रहने का किया आह्वान

विजय मत, बालोद

दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज छत्तीसगढ़ के तीन दिवसीय अधिवेशन में द्वितीय दिवस दोपहर बाद मात्र 10 सेकंड की तेज हवा ने कार्यक्रम को अस्त व्यस्त कर दिया। पंडाल करीब करीब 5 फीट तक ऊपर उठ गया था, इससे कई पाइप टूट गए। अचानक आई तेज हवा से पंडाल के अंदर अफरा तफरी मच गई, लोगों को पंडाल के बाहर किया गया। साथ ही आगे का कार्यक्रम

स्थगित करना पड़ा। ग्राम देवरी (ख) में दिल्लीवार कुर्मी क्षत्रिय समाज का तीन दिवसीय आयोजन चल रहा है। इसमें 7 फरवरी शनिवार को द्वितीय दिवस था। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह कलश यात्रा व मैराथन के साथ किया गया।

मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे समाज के पुरोधाओं की चित्रों पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, गुण्डरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद ,प्रांतिय अध्यक्ष योगेन्द्र बेलचंदन (दि.कु.क्ष.स.छ.ग) जिला पंचायत बालोद के अध्यक्ष तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, जनपद पंचायत गुण्डरदेही के अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य गुरुदेव बिरेंद्र देशमुख, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला भाजपा अध्यक्ष चेमन देशमुख सहित समाज के सभी पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम चल ही रहा था कि लगभग 2ः45 बजे पंडाल के अंदर अचानक तेज हवा चली और 10 सेकंड में ही पंडाल के पाइप पंडाल सहित हवा में उड़ने लगे। इसके बाद तत्काल बिजली काटकर लोगों को पंडाल से बाहर किया गया।

तेज हवा से कई पाइप टूट गए, इसके चलते पंडाल खड़ा करने में विलंब हुआ और आज का कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। रात्रि में आयोजित रंग झरोखा का कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया है।

सिर्फ पंडाल में ही चली तेज हवा - जिस समय पंडाल के अंदर तेज हवा चली उस समय कई लोग पंडाल में थे, तो वहीं कई लोग पंडाल के बाहर भी थे। जो व्यक्ति पंडाल के बाहर थे उनका कहना है कि बाहर कहीं पर भी हवा नहीं चली। तेज हवा सिर्फ पंडाल के अंदर आई और 10 सेकंड में ही शांत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

इच्छापुर में पशु मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन 09 फरवरी को

कांकेर। पशुधन विकास विभाग द्वारा सोमवार 09 फरवरी को ग्राम इच्छापुर के खेल मैदान में विकासखण्ड स्तरीय पशु मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद सदस्य गीता रमेश गावड़े होंगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले इस मेले में दुधारू गाय, भैंस, उन्नत बछिया, बकरा-बकरी और पक्षियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। उत्कृष्ट पशुओं के पालकों को समारोह में पुरस्कृत भी किया जाएगा। विभाग ने क्षेत्र के किसानों और पशुपालकों को इस प्रदर्शनी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

पंचायत प्रतिनिधियों से कलेक्टर ने संपर्क केंद्र किया संवाद

कसडोल । कलेक्टर दीपक सोनी ने संपर्क केंद्र में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले की समस्त ग्राम पंचायतों से सीधा संवाद कर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं सहभागिता सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें अनिवार्य रूप से हर घर तक अपनी पहुंच बनाएं और केवल दवा का वितरण न करें, बल्कि अपनी उपस्थिति में ही पात्र हितग्राहियों को दवा का सेवन कराएं। अभियान की सफलता के लिए कलेक्टर ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरपंचों और सचिवों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है ताकि कोई भी नागरिक दवा के सेवन से वंचित न रहे।उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्राम स्तर पर मुनादी, गांवों में दीवारों पर नारा लेखन और जागरूकता कार्यक्रमों के जरिए लोगों को इस बीमारी के खतरों के प्रति सचेत किया जाए। कलेक्टर सोनी ने स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों की निरंतर निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें। उन्होंने अंत में दोहराया कि सामूहिक प्रयासों और शत-प्रतिशत दवा सेवन से ही हमारे जिले को फाइलेरिया मुक्त जिला बनाया जा सकता है, इसके लिए सभी को अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल, डीपीएम सृष्टि मिश्रा एवं डीपीसी विनय मिश्रा उपस्थित रहे।

14 मार्च को होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

सारंगढ़-बिलाईगढ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अधीनस्थ न्यायालय से उच्च न्यायालय तक के सभी न्यायालयों में वर्ष 2026 का पहला नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को किया जाएगा, जिसमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किए जाएंगे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है। नेशनल लोक अदालत के संबंध में सबंधित व्यक्ति माननीय न्यायालय, राजस्व विभाग के कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माननीय न्यायालय, पुलिस विभाग, नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत, बीएसएनएल, विद्युत विभाग, समस्त बैंको आदि से संपर्क कर सकते हैं। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण, चेक बाउन्स वाले मामले, बैंक रिकवरी अर्थात् प्री-लिटिगेशन प्रकरण, मोटरयान अधिनियम से संबंधित प्रकरण, मेन्टेनेन्स धारा के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, श्रमिक प्रकरण, जमीन विवाद प्रकरण, विद्युत प्रकरण, जलकर प्रकरण, सम्पत्ति कर, टेलीफोन प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है।

अमलकुंडा में जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फल वितरण कर स्वास्थ्य की ली जानकारी

- ग्राम अमलकुंडा में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा मरीजो, बुजूर्गो को फल वितरण कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई

विजय मत, लवन

इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी रजनी साहू के नेतृत्व एवं सरपंच संजय निषाद सचिव खेमचंद पैंकरा उपसरपंच भगवती रोजगार सहायक बलराम पटेल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अश्वनी ध्रुव तुलेश्वरी ध्रुव के सहयोग से

ग्राम अमलकुंडा के घर घर पहुंचकर मरीजों की स्वास्थ्य की जानकारी लेकर उनको फल का वितरण किए।

इस दौरान मितानिन सतरूपा ध्रुव, शशी ध्रुव, नंदकिशोरी मानिकपुरी पंचगण पदमा बाई पटेल, कांति बाई पटेल, बिसौहा पटेल, सोनकुंवर यादव, संत बाई पटेल, हेमंत कुमार ध्रुव, विद्या ध्रुव, चंद्रिका बाई ध्रुव, चंद्रवियाजय पटेल गायत्री बाई निषाद, हरिदास मानिकपुरी, फागबाई पटेल, देवप्रसाद निषाद, रामानंद पटेल ग्रामीणों में जीवन पटेल, कमलेश पटेल, भोजराम ध्रुव, कार्तिक राम पटेल, सदाराम पटेल, पुकराम पटेल, बंसी लाल पटेल, इंद्रकुमार पटेल, रामनरायण ध्रुव, देश राम ध्रुव, ननका पटेल, कामता प्रसाद पटेल (पप्पू), शंकर पटेल, बरातू पटेल, देवचरण पटेल, देवप्रसाद पटेल, देवप्रसाद ध्रुव, परदेशी पटेल, रामेश्वर पटेल, पिताम्बर पटेल,कृत्रराम पटेल,

नामदेव पटेल, दिनेश कुमार पटेल, संजय कुमार पटेल, जितेन्द्र कुमार देवदास, राजू पटेल, मनीष कुमार पटेल, भरत कुमार पटेल,भरत कुमार यादव, दिलेश कुमार पटेल, दिनेश कुमार पटेल, श्यामसुंदर निषाद, श्याम लाल निषाद, हेमू पटेल, राहुल पटेल, राहुल कुमार पटेल, संजय कुमार पटेल, सोनदास मानिकपुरी, त्रिलोक ध्रुव उपस्थित रहे।

उदयपुर क्षेत्र में जस गायन प्रतियोगिता की धूम गांव-गांव में आयोजन, पूरा क्षेत्र भक्ति में डूबा

विजय मत, छुईखदान

उदयपुर क्षेत्र में इन दिनों जस गायन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। गांव-गांव में जस गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं। पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्सव का माहौल बना हुआ है। उदयपुर, आमाघाट, कादा, खैरी खपरी दरबार सिलपट्टी पद्मावतीपुर सहित आसपास के गांवों में जस गीतों की लहर छाई हुई है।

क्षेत्र की प्रमुख ग्राम पंचायतों में शामिल उदयपुर में ग्रामवासियों द्वारा जस गायन का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में दूर-दूर से विभिन्न जस गायन समितियां भाग लेने पहुंच रही हैं, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है।

त्योहार जैसा माहौल-जस गायन प्रतियोगिताओं को देखने और सुनने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ रही है। हालात ऐसे हैं कि कई ग्रामवासी अपने रोजमर्रा के काम छोड़कर जस गायन का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। पूरे क्षेत्र में मानो जस का त्योहार मनाया जा रहा हो।

रंग-बिरंगे परिधानों में कलाकार- इन दिनों क्षेत्र में जगह-जगह रंग-बिरंगे परिधानों में आते-जाते लोग नजर आ रहे हैं। ये सभी जस गायन प्रतियोगिता में भाग लेने आए प्रतिभागी हैं।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में संकुल सेमरिया के विद्यार्थियों ने सुना प्रधानमंत्री मोदी का मार्गदर्शन

विजय मत, अहिवारा

परीक्षा पे चर्चा के 9वें संस्करण के अंतर्गत शुक्रवार को संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा ,जिला दुर्ग अंतर्गत मिडिल स्कूल पेंड्रीतराई,सेमरिया, प्राथमिक शाला कोकड़ी, पेंड्रीतराइ ,सेमरिया, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरिया के छात्र-छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव मार्गदर्शन सुना। इस दौरान पीएम मोदी ने विद्यार्थियों को पढ़ाई, जीवन और खेल के संतुलन का महत्व समझाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत जीवन ही नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेल को भी जीवन का अहम हिस्सा बनाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि यदि परिवार में कोई बच्चा तेज है, तो उससे प्रतिस्पर्धा करने के बजाय उससे सीखने की कोशिश करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का मेरा सपना आप सभी के जीवन और भविष्य से जुड़ा है, और इसे साकार करने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी की है। आज हम सब मिलकर अपने प्रयासों से विकसित भारत का लक्ष्य क्यों नहीं हासिल कर सकते। कार्यक्रम के दौरान शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्षो , सदस्यों, पालकों की उपस्थित रहे। इस अवसर पर संकुल प्रभारी श्री मती किरण सिंह, संकुल समन्वयक सूर्यकांत हरदेल,संगीता पाटिल, राजश्री बोस,रीना साहू,संध्या दत्ता, देवेन्द्र कुमार देवांगन,कमलेश कुमार ताम्रकार, सहितछात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री की स्वीकृति से खैरागढ़ में साहू समाज के जिला स्तरीय आयोजन की तैयारियां तेज

विजय मत, खैरागढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की स्वीकृति के बाद खैरागढ़ में प्रस्तावित साहू समाज के जिला स्तरीय भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां ज़ोरों पर हैं। जिला साहू संघ खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के तत्वावधान में आगामी 14 फरवरी को भक्त माता राजिम महोत्सव,संत माता कर्मा एवं माता राजिम मंदिर निर्माण भूमि पूजन, तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण व सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री की उपस्थिति से आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप मिलने

की संभावना जताई जा रही है। उक्त कार्यक्रम में प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष के अध्यक्ष डॉ नीरेंद्र साहू, राजनांदगॉव लोकसभा सांसद संतोष पांडेय, रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में शुक्रवार को जिला साहू समाज द्वारा रेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाज के संरक्षक बिसेसर साहू, जिला अध्यक्ष टीलेश्वर साहू, मनोहर साहू एवं सुरेश साहू ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री से समय प्राप्त करने के लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे, जिसमें जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग मिला। 14 फरवरी को मुख्यमंत्री की सहमति मिलना समाज के लिए गर्व का विषय है। आयोजन कृष्णकुंज मां कर्मा धाम, ग्राम अकरजन, सिविल लाइन रोड, खैरागढ़ में संपन्न होगा। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर निर्माण के भूमि पूजन, हवन-यज्ञ, महाआरती एवं प्रसादी वितरण से होगी। इसके पश्चात समाज की जिला एवं इकाई स्तर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही भोजन भंडारे की भी व्यवस्था रहेगी।

50 साल पुरानी सार्वजनिक सड़क पर जमीन दलाल का कब्जा, मुड़पार में ग्रामीणों का फूटा

विजय मत, खैरागढ़

खैरागढ़ के समीप ग्राम पंचायत संडी के आश्रित ग्राम मुड़पार में करीब 50 वर्षों से उपयोग में रही सार्वजनिक सड़क पर अवैध कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि जमीन दलाल कुलेश्वर सिन्हा ने सड़क मार्ग पर फेंसिंग कर रास्ता बंद कर दिया है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार जिस मार्ग पर कब्जा किया गया है, वह वर्षों से गांव का आम रास्ता रहा है। सड़क बंद होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो चुकी है और गांव में आक्रोश का माहौल है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जमीन विक्रेता प्रह्लाद द्वारा ब्रोकर कुलेश्वर सिन्हा को लगभग 84 डिसमिल जमीन बेची गई है, लेकिन वह जमीन अब तक कुलेश्वर सिन्हा के नाम पर हस्तांतरित ही नहीं हुई है। इसके बावजूद वह न केवल जमीन पर

कब्जा जमा रहा है, बल्कि 50 साल पुरानी सार्वजनिक सड़क को भी घेरने का प्रयास कर रहा है।

ग्रामीणों ने इस अवैध कृत्य का जमकर विरोध किया है। सूत्रों के अनुसार दलाल पहले ही अपने तय हिस्से से अधिक क्षेत्र पर कब्जा कर चुका है और अब गांव के मुख्य आवागमन मार्ग को भी हड़पने की नीयत से फेंसिंग कर दी गई है। सवाल यह उठ रहा है कि जब जमीन उसके नाम पर दर्ज ही नहीं है, तो आखिर किस अधिकार से वह सार्वजनिक रास्ता बंद कर रहा है।

इस पूरे मामले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि कमीशन के खेल के चलते जनप्रतिनिधि मौन साधे हुए हैं। वहीं ग्रामीण इस अन्याय को लेकर खासे आक्रोशित हैं और जल्द ही कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक सड़क से तत्काल कब्जा हटाया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गांव का आवागमन फिर से सुचारु हो सके।

प्रांतीय छत्रिय राठौर समाज के शपथ ग्रहण पर सांसद राठिया और विधायक उमेश पटेल हुए शामिल

विजय मत, खरसीया

प्रांतीय क्षत्रिय राठौर समाज का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें रायगढ़ और शक्ति जिला के राठौर समाज के लोगों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। राठौर समाज के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर रायगढ़ लोकसभा के सांसद राधेश्याम राठिया, और खरसिया विधायक उमेश पटेल शामिल हुए, वहीं अध्यक्षता सनत राठौर गुरुजी (जांजगीर), विशिष्ट अतिथि के तौर पर रामकुमार यादव विधायक चंद्रपुर, केदार राठौर, कमल गर्ग नगरपालिका अध्यक्ष, पवन राठौर, विकी सिंह राठौर द्वारा किया गया। राठौर समाज के लोगों द्वारा आये हुए अतिथियों का स्वागत ढोल तासो व फटाके फोड़ पुष्प वर्षाकर किया गया। दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगान और राज्य गीत गाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया तत्पश्चात राठौर समाज के लोगो द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत सत्कार

किया गया। शपथ ग्रहण अधिकारी द्वारा सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्यवक्ताओं द्वारा सभी पदाधिकारियों को बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहाँ आप सभी वीर दुर्गादास की तरह निडरता और बहादुरी के साथ अपने समाज सहित देश की मजबूती के लिए कार्य करेंगे ।

विनोद चंद्र राठौर,राजेंद्र राठौर पालू, परीक्षित राठौर, छोटेलाल राठौर, नरेंद्र राठौर, ओमकार राठौर, राजेंद्र राठौर,

अमिता विनोद राठौर, ताराचंद्र राठौर, विशाल राठौर, चतुर सिंह राठौर जिला अध्यक्ष शक्ति, टंकेश्वर राठौर (प्रदेश मीडिया प्रभारी) राजेन्द्र लालू (प्रदेश युवा उपाध्यक्ष) बृजेश राठौर (प्रदेश विधि प्रकोष्ठ) शशिकांत राठौर जिला अध्यक्ष रायगढ़, दिलेश्वर राठौर, दिनेश पांडू राठौर, संतोष राठौर, हेमंत राठौर, महेश राठौर, अरुण राठौर, देवी राम राठौर, मोरध्वज राठौर, सहित सैकड़ों राठौर समाज के लोग मौजूद रहे।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने केशकाल में सड़क उन्नयन कार्य का लिया जायजा, गुणवत्ता पूर्ण निर्माण के दिए निर्देश

कोंडागांव के मोर सुआद-दीदी की रसोई में पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वाद

विजय मत, रायपुर

कोंडागांव के मोर सुआद-दीदी की रसोई में पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वादकोंडागांव के मोर सुआद-दीदी की रसोई में पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वादकोंडागांव के मोर सुआद-दीदी की रसोई में पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वादकोंडागांव के मोर सुआद-दीदी की रसोई में पारंपरिक व्यंजनों का चखा स्वाद राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जगदलपुर आगमन से पूर्व छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शुक्रवार को सड़क मार्ग से रायपुर से जगदलपुर के लिए रवाना हुए।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने केशकाल नगर क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर प्रगतिरत नवीनीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 बस्तर संभाग को राजधानी रायपुर एवं अन्य राज्यों से जोड़ वाला एक प्रमुख मार्ग है, अतः निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि केशकाल नगर के साथ-साथ केशकाल बायपास का निर्माण कार्य भी निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण गुणवत्ता के साथ कराया जाए तथा निर्माण कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे आम नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा प्राप्त हो सके।

तत्पश्चात राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय कोंडागांव पहुंचे, जहां उन्होंने बिहान योजना के अंतर्गत स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित मोर सुआद दीदी की रसोई का अवलोकन किया। इस दौरान बिहान समूह की महिलाओं ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का पारंपरिक रूप से आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने स्थानीय व्यंजन फरा एवं अंगाकर रोटी का स्वाद चखा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समूह की महिलाओं से उनकी आय एवं गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की तथा कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना को निर्देश दिए कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आजीविका सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जिले के लोक कलाकारों की पेंटिंग्स का अवलोकन किया गया तथा कलाकारों से संवाद कर उनके रचनात्मक प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

वकीलों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर भड़का जिला अधिवक्ता संघ

विजय मत/रायपुर। सोशल मीडिया पर वकीलों के विरुद्ध कथित तौर पर की गई अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर जिला अधिवक्ता संघ मनेन्द्रगढ़ ने कड़ा ऐतराज जताया है। अधिवक्ता संघ ने इस मामले में सिटी कोतवाली प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ता संघ द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, रघुनाथ पोद्दार उर्फ कल्लू और एक निजी चैनल के संचालक शराफत अली के खिलाफ यह तहरीर दी गई है। आरोप है कि 25 जनवरी 2026 को शराफत अली ने अपने फेसबुक अकाउंट के माध्यम से रघुनाथ पोद्दार का एक वीडियो इंटरव्यू प्रसारित किया था। इस इंटरव्यू में रघुनाथ पोद्दार ने वकीलों के खिलाफ कथित रूप से अमर्यादित, अपमानजनक और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि वीडियो इंटरव्यू के दौरान रघुनाथ पोद्दार ने वकील समुदाय पर राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर नेक्सस चलाने और प्रोपेगेंडा फैलाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। अधिवक्ता संघ का कहना है कि इस प्रकार के बयान न केवल निराधार हैं, बल्कि इससे पूरे वकील समुदाय की छवि को ठेस पहुंची है। मामले की गंभीरता को देखते हुए 04 फरवरी 2026 को जिला अधिवक्ता संघ की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से इस तरह के भ्रामक और अपमानजनक वीडियो प्रसारित कर अधिवक्ताओं के प्रति समाज में अनादर की भावना पैदा की जा रही है। संघ के अनुसार करीब 13 मिनट के इस वीडियो को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा और साझा किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वकील समुदाय को जानबूझकर बदनाम करने का प्रयास किया गया। अधिवक्ता संघ ने पुलिस को सौंपे गए पत्र में कहा है कि दोनों व्यक्तियों ने एकराय होकर अधिवक्ताओं की प्रतिष्ठा और सम्मान को नुकसान पहुंचाया है।

सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर थाने में की शिकायत

13 कार्यों के लिए 299 करोड़ की निविदा मंजूर, 10 सड़कों को 116 करोड़ की स्वीकृति

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लोक निर्माण विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य में सड़कों और पुलों के निर्माण को गति देने के लिए विभाग ने 13 महत्वपूर्ण कार्यों हेतु 299 करोड़ रुपये की निविदाओं को मंजूरी दी है। इसके साथ ही 7 जिलों की 10 सड़कों के लिए 116 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति भी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संबंधित आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में सड़क नेटवर्क को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से इन परियोजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। अंबिकापुर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग और जगदलपुर स्थित क्षेत्रीय मुख्य अभियंता कार्यालयों के साथ-साथ प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सभी कार्यों की सीधी मॉनिटरिंग की जाएगी। निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आम नागरिकों को भी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। रायपुर जिले में फरफौदाझगुखेरा मार्ग और चंदखुरीझजावाझमोंहदी मार्ग के चौड़ीकरण व मजबूतीकरण के लिए पुल-पुलिया सहित निविदाएं स्वीकृत की गई हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में हथबंदझसिमगा मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज और ध्यानचंद चौक से बजरंग चौक तक टू-लेन सीसी रोड के निर्माण को हरी झंडी दी गई है। नारायणपुर जिले में पल्लीझछोटेडोंगरझओरछा मार्ग पर सीमेंट-कांक्रीट सड़क एवं पुलिया मजबूतीकरण के कार्यों को मंजूरी मिली है।

7 जिलों की 10 सड़कों के लिए 116 करोड़ मंजूर

वर्ष 2024-25 के बजट में शामिल योजनाओं के तहत धमतरी, राजनांदगांव, कोण्डागांव, कांकेर, बिलासपुर, जशपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों में प्रमुख मार्गों के उन्नयन, चौड़ीकरण और पुल निर्माण के लिए 116 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से प्रदेश में यातायात सुविधा बेहतर होगी, आवागमन सुगम बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

सार समाचार

राजधानी में अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा, कॉम्बिंग गश्त और सघन चेकिंग से बढ़ी सख्ती

विजय मत/रायपुर। राजधानी रायपुर में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा सघन चेकिंग, निगरानी और कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस कमिश्नर रायपुर के निर्देश पर 5 फरवरी 2025 को विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ संचालित किया गया। अभियान के दौरान उत्तर और पश्चिम जोन के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गुढ़ियारी, आजाद चौक, कबीरनगर और रामनगर क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ प्रभावी कार्रवाई की गई। इस दौरान गुंडा-बदमाशों, निगरानी बदमाशों और अड्डेबाजों के विरुद्ध विशेष रूप से चेकिंग की गई। पुलिस टीमों ने रामनगर, आजाद चौक सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। साथ ही आम नागरिकों से संवाद कर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए और उन्हें सतर्क रहने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के कॉम्बिंग और चेकिंग अभियानों का उद्देश्य अपराधियों में भय का माहौल बनाना, असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना और आम जनता को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। आगे भी राजधानी में इस प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गुढियारी में सट्टा पट्टी से जुआ खेलाते दो आरोपी गिरफ्तार, 22 हजार से अधिक नगद जब्त

विजय मत/रायपुर। रायपुर जिले के गुढियारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआ-सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सट्टा पट्टी के माध्यम से जुआ संचालित कर रहे दो आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22,290 रुपये नगद समेत सट्टा लिखने का सामान जब्त किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 6 फरवरी 2026 को गुढियारी पुलिस को सूचना मिली थी कि खालबाड़ा इलाके में बांस के पेड़ के पास दो व्यक्ति सट्टा पट्टी के जरिए अवैध जुआ संचालित कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की गई। थाना गुढियारी पुलिस की टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। रेड के दौरान दो व्यक्तियों को मौके पर सट्टा लिखते हुए पकड़ा गया।

रायपुर में चाकू आतंक पर पुलिस का शिकंजा: अलग-अलग इलाकों से तीन आरोपी गिरफ्तार, तीन नाबालिगों को चेतावनी

विजय मत, रायपुर

रायपुर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाकू लहराने की घटनाओं पर त्वरित और सख्त कार्रवाई की है। 5 और 6 फरवरी 2026 को हुई कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक मामले में तीन नाबालिगों को समझाइश के बाद बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

स्कूल परिसर में चाकू लहराने का मामला

मोवा स्थित आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के एक कक्षा कक्ष में छात्रों द्वारा चाकू लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पंडरी थाना पुलिस हरकत में आई। जांच के दौरान पुलिस

ने 12वीं कक्षा के छात्र सुशांत प्रधान, उम्र 19 वर्ष, निवासी बीएसयूपी कॉलोनी सड्डू को गिरफ्तार कर उसके पास से चाकू बरामद किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, वीडियो में शामिल तीन नाबालिग छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट तैयार कर उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

गुढ़ियारी में युवक चाकू लहराते पकड़ा गया

गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के भरत नगर झंडा चौक, रामनगर के पास एक युवक द्वारा सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बीरे साहू, उम्र 28 वर्ष, को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है।

खमतराई क्षेत्र में धारदार हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार

खमतराई थाना क्षेत्र में शेरे पंजाब होटल के सामने एक युवक द्वारा चाकू लहराकर लोगों को डराने की शिकायत मिली थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कृष्णा निषाद उर्फ मोटा, उम्र 26 वर्ष, निवासी गंगा नगर भनपुरी को मौके से गिरफ्तार किया।

स्कूल परिसर में विदाई समारोह के दौरान छात्रों की स्टंटबाजी का वीडियो वायरल, प्रबंधन की लापरवाही आई सामने

विजय मत, रायपुर

जिले के कसडोल विकासखंड में स्कूलों के विदाई समारोह के दौरान छात्रों द्वारा की जा रही स्टंटबाजी चिंता का विषय बनती जा रही है। ताजा मामला कसडोल विकासखंड के ग्राम छेछर स्थित हाईस्कूल का बताया जा रहा है, जहां विदाई समारोह के दौरान छात्रों ने स्कूल परिसर में ट्रैक्टर और कार घुसाकर खतरनाक स्टंट किए। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि घटना के समय स्कूल

परिसर में शिक्षक मौजूद थे, इसके बावजूद छात्रों की इस लापरवाही भरी हरकत पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे स्कूल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है और कहीं न कहीं इस तरह के खतरनाक कृत्यों को मौन समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि विदाई समारोह के नाम पर स्कूल परिसरों में अनुशासनहीनता बढ़ती जा रही है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले भी कसडोल क्षेत्र के कटगी में विदाई समारोह के दौरान छात्रों द्वारा स्टंटबाजी का वीडियो वायरल हुआ था, जिस पर कसडोल पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित छात्रों पर 32 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था।

बरामद सामग्री और माओवादियों की कार्यप्रणाली

गरियाबंद में माओवादी हथियारों का जखीरा बरामद, 6 ठिकानों से हथियार व विस्फोटक जब्त

विजय मत, रायपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर थाना क्षेत्र की ओडिशा सीमा से लगे भालूडिग्गी व मेटाल की पहाड़ी श्रृंखलाओं में माओवादियों द्वारा छिपाए गए हथियारों और विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा पुलिस ने बरामद किया है। जिला पुलिस बल की ई-30 ऑप्स टीम ने 36 घंटे तक चले सघन तलाशी अभियान के बाद छह अलग-अलग स्थानों से स्वचालित हथियार, बीजीएल सेल और हथियार निर्माण से जुड़े उपकरण जब्त किए। पुलिस को यह सूचना जनवरी 2026 में समाज की मुख्यधारा में लौटे माओवादियों से हुई पूछताछ के बाद मिली थी। प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की ओडिशा राज्य कमेटी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जिले की सीमा से सटी पहाड़ियों में हथियारों का जखीरा रखे जाने की जानकारी के आधार पर, 6 फरवरी 2026 को ई-30 टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। इस 36 घंटे के अभियान में टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। अभियान के दौरान पुलिस ने दो इंसास राइफल, एक .303 राइफल, एक देशी कट्टा, एक सुरका (देशी बीजीएल लॉन्चर), दो 12 बोर हथियार, दो सिंगल शॉट हथियार, 127 जिंदा राउंड, आठ मैगजीन, 22 बीजीएल सेल, इलेक्ट्रिक वायर का एक बंडल तथा हथियार वर्कशॉप के विभिन्न उपकरण बरामद किए। पुलिस के अनुसार, माओवादियों की टेक्निकल टीम शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर आईईडी और देशी हथियारों का निर्माण तथा स्वचालित हथियारों की मरम्मत का काम करती थी।

यह बरामदगी गरियाबंद पुलिस द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष से चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान ऑपरेशन विराट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जेल से छूटते ही राजधानी की तीन दुकानों पर बोला था धावा

छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, रायपुर

देश के अलगझअलग राज्यों में घूम-घूमकर चोरी की बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर नकबजन लोकेश श्रीवास को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

आरोपी पर आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, दिल्ली सहित छत्तीसगढ़ के कई जिलों में ज्वेलरी शॉप और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में करोड़ों रुपए की चोरी के गंभीर आरोप हैं. पुलिस के अनुसार, लोकेश जेल से छूटने के अगले ही दिन रायपुर के सिविल लाइन और मौदहापारा थाना क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर फरार हो गया था. जानकारी के मुताबिक, प्रार्थी शिव कुमार वर्मा ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पंडरी स्थित उनकी कपड़े की दुकान का छप्पर तोड़कर

अज्ञात आरोपी ने गल्ले से 2.75 लाख रुपए नगद चोरी कर लिए. इसी रात पास की नोवा फर्नीचर दुकान से 1.40 लाख और डिजाइनर सेनेटेशन, हार्डवेयर दुकान से 2.85 लाख रुपए नगद चोरी किए गए. तीनों दुकानों से कुल 7 लाख रुपए की चोरी पर थाना सिविल लाइन में अपराध पंजीबद्ध किया गया. एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई. घटना स्थलों के आसपास लगे हजारों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान की गई।

देश के अलग-अलग राज्यों में की चोरी

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 79,500 रुपए नगद, दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं. आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन और मौदहापारा थाने में अपराध दर्ज है. पुलिस के अनुसार, लोकेश श्रीवास उर्फ गोलू ने अब तक प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों में दो दर्जन से अधिक बड़ी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है. फिलहाल आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर विस्तृत पूछताछ जारी है.

उरकुरा रेल्वे स्टेशन के समीप स्थित आइल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

विजय मत, रायपुर

राजधानी रायपुर में थाना खमतराई स्थित आयल फैक्ट्री में दोपहर को आग लग गई. आग की भीषणता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आग का धुंआ कई किलोमीटर दूर से नजर आ रहा है. उरकुरा रेलवे स्टेशन के पहले स्थित फैक्ट्री में लगी आगजनी से फैक्ट्री के चारों तरफ अफरा-तफरी की स्थिति नजर आ रही है. मौके पर मौजूद दमकल की टीम आग को बुझाने में जुटी हुई है. फिलहाल, आग लगने का कारण पता नहीं चल पाया है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

प्राकृतिक असंतुलन से आ रहे लगातार भूकंप और तूफान

मानव समाज ने विकास के नाम पर जिस क्रूरता से प्रकृति-प्रदत्त हरे-भरे जंगलों और पर्वत श्रंखलाओं को नष्ट किया है उसके अब दूष्परिणाम सामने आने लगे हैं। मानव ने जंगलों को खत्म कर कंक्रीट के जंगल खड़े किए, बहुतायत में पहाड़ों को समतल किया गया और भूमिगत जल के साथ ही तमाम तरह की खनिज संपदा निकालकर पृथ्वी को अंदर से भी खोखला कर दिया। ये वो प्राकृतिक चीजें हैं जो पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखती हैं, जब यही असंतुलित हो गईं तो फिर प्रकृति खुद अपना संतुलन तो बनाएगी ही। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में दुनिया के अलगङ्गअलग हिस्सों से लगातार भूकंप के झटकों, तीव्र तूफानों, भीषण बारिश, बाढ़ और सुप्त ज्वालामुखियों के सक्रिय होने की खबरें सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल संयोग नहीं कह सकते हैं। दरअसल ये पृथ्वी की भूगर्भीय गतिविधियों और तेजी से बिगड़ते प्राकृतिक संतुलन की ओर इशारा कर रही हैं। प्रकृति मानो यह संकेत दे रही है कि वह अपने भीतर जमा दबाव को बाहर निकालने की प्रक्रिया में है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेक्टोनिक प्लेटों की हलचल और जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा जाता है। भूगाल की भाषा में कहें तो भूकंप पृथ्वी की आंतरिक प्लेटों के आपसी टकराव, खिसकने या टूटने का परिणाम होते हैं। प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत भूकंप आते हैं और कई ज्वालामुखी सक्रिय रहते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से भूगर्भीय रूप से संवेदनशील रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में तेजी आई है। इसके साथ ही, यूरोप, एशिया और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में भी असामान्य भूकंपीय गतिविधियां देखी जा रही हैं, जो पृथ्वी के भीतर बढ़ते असंतुलन का संकेत मानी जा सकती हैं।दूसरी ओर, मौसम संबंधी आपदाएं भी इसी कड़ी का हिस्सा हैं। अकेले स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में 11 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि पुर्तगाल के कई शहरों में आपातकाल लागू करना पड़ा। स्थिति की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि लियोनार्डो के गुजरने के बाद भी खतरा टला नहीं है। मौसम विभाग चेतावनी दे चुका है कि मार्ता तूफान तट से टकरा सकता है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों रही है ?

संजय गोस्वामी

कलयुगी रिश्ते की डोर कमजोर क्यों है क्योंकि आज के युग में रिश्ता पल पल बदल रहें है क्योंकि मन बहुत चंचल होता है और किसी का स्वभाव बदलता नहीं है अतः यदि रामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए रामचरितमानस के उत्तर कांड के कई दोहों में कहा गया है- वह माया जो पूरे संसार को नचाती है, जिसका चरित्र (काम) कोई नहीं समझ पाया है। यानी, माया पूरे संसार को नचाती है, और कोई भी उसके स्वभाव (कामों) को नहीं समझ पाया है, और माया कई गुण और दोष बनाती है और यह पूरे संसार में फैली हुई है। माया कई गुण और दोष, मोह, काम, अज्ञान आदि बनाती है, जो पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। भगवान राम स्वयं कहते हैं, हे प्रिय ! माया ने कई गुण और दोष बनाए हैं। उनका कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। उन्हें अलग-अलग न समझना ही ज्ञान है; उन्हें ऐसा देखना अज्ञान है। ज सुनो, प्रिय, माया कई गुण और दोष बनाती है। गुण यह है कि इन दोनों में से किसी को भी न देखा जाए; उन्हें देखना अज्ञान है। (उत्तर कांड, 41) ज माया द्वारा बनाए गए गुणों और दोषों में काम, मोह, आसक्ति, अज्ञान आदि शामिल हैं। माया कई गुण और दोष बनाती है। मोह, काम, और ऐसी ही अन्य चीजें। (उत्तर कांड, 56.2) भगवान राम कहते हैं, यह पूरा संसार मेरी माया द्वारा बनाया गया है (मेरी माया से उत्पन्न संसार)। (उत्तर कांड, 85.2) भगवान श्री कृष्ण गीता में कहते हैं- दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया (मेरी यह दिव्य, गुणों से भरी माया पार करना कठिन है, यानी इसे पार करना बहुत मुश्किल है)। यहाँ, एक बात ध्यान देने योग्य है कि भगवान ने माया को मम माया कहा है, जिसका अर्थ है कि माया भगवान की है। हालाँकि, जो लोग इसे स्वतंत्र अस्तित्व वाला मानते हैं, उनके लिए माया पर विजय पाना आसान है। भगवान स्वयं माया पर विजय पाने का तरीका बताते हैं- मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते (जो लोग लगातार मेरी पूजा करते हैं, वे इस माया को पार कर जाते हैं)। इसका मतलब है कि भगवान के प्रति समर्पण ही माया पर विजय पाने का एकमात्र तरीका है। रामचरितमानस में, श्री काकभुशुंडि पक्षियों के राजा गरुड़ से कहते हैं, हरि माया कर अमित प्रभावा। विपुल बार जेहि मोहि नचावा। । फिर वे पक्षियों के राजा, गरुड़ ! वही माया, भगवान श्री रामचंद्र की भौंह के इशारे मात्र से, अपने दल (परिवार) के साथ एक अभिनेत्री की तरह नाचती है। (यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

वैचारिक प्रदूषण समूचे हिंदू समाज का स्वभाव नहीं है

डॉ राघवेंद्र शर्मा

आज के दौर में जब वैश्विक परिदृश्य पर भारत अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिए अग्रसर है, तब आंतरिक रूप से समाज को जातियों के संकीर्ण खानों में बांटकर खंडित करने की साजिशें चिंताजनक रूप से गहराती जा रही हैं। यह विडंबना ही है कि जिस सनातन संस्कृति ने वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष किया, आज उसी के अनुयायी परस्पर वैमनस्य की अग्नि में झुलस रहे हैं। वर्तमान सामाजिक परिवेश में एक स्पष्ट दरार दिखाई देती है, जहाँ आरक्षित वर्ग के भीतर सवर्णों के प्रति एक प्रकार की चिढ़ और आक्रोश व्याप्त है, तो वहीं सवर्ण वर्ग का एक हिस्सा आरक्षित वर्ग को अपनी समस्त समस्याओं का मूल मानकर उन्हें कोसने में अपनी ऊर्जा व्यर्थ कर रहा है। वास्तविकता यह है कि यह वैचारिक प्रदूषण समूचे हिंदू समाज का स्वभाव नहीं है, बल्कि यह मुट्ठी भर उन अवसरवादी लोगों का षड्यंत्र है जो अपने स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिए सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने पर तुले हुए हैं। किंतु इस क्षुद्र राजनीति और संकीर्ण मानसिकता का खामियाजा पूरे सनातन समाज को भुगतना पड़ रहा है, जिससे इसकी सामूहिक शक्ति क्षीण हो रही है। इस अंधकारमय समय में हमारे वेद, पुराण, शास्त्र और उपनिषद ही वह मशाल हैं जो हमें समाधान का मार्ग दिखा सकते हैं। यदि हम निष्पक्ष होकर अपने आध्यात्मिक इतिहास के पन्नों को पलटें, तो हमें ऐसे अनगिनत प्रसंग मिलेंगे जो आज की इन कृत्रिम दीवारों को ढहाने के लिए पर्याप्त हैं। ऐसा ही एक कालजयी और हृदयस्पर्शी प्रसंग माता शबरी का है, जो जातिवाद के चश्मे से ग्रस्त आज के समाज के लिए एक जीवंत संदेश है।

> हमें समझना होगा कि जात-पात की ये दीवारें हमारी शक्ति नहीं, बल्कि हमारी कमजोरी हैं, जिनका लाभ बाहरी शक्तियां हमेशा से उठाती आई हैं। यदि भारत को अपनी सार्वभौमिकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना है, तो इन दीवारों को तोड़ना ही होगा।समरसता का अर्थ यह नहीं है कि हम केवल सतही तौर पर एक साथ बैठें, बल्कि इसका अर्थ है हृदय से एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करना और सम्मान देना। सवर्ण वर्ग को अपनी श्रेष्ठता के दंभ को त्यागकर समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की उदारता दिखानी होगी, वहीं आरक्षित वर्ग को भी अतीत की कड़वाहट को छोड़कर सकारात्मकता के साथ मुख्यधारा में जुड़ना होगा। षड्यंत्रकारी ताकतें हमेशा हमें हमारे मतभेदों की याद दिलाती रहेंगी, लेकिन हमें अपनी साझा विरासत है।

शबरी जयंती पर विशेष

माता शबरी की कथा केवल एक भक्त और भगवान के मिलन की गाथा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता का वह उच्चतम प्रतिमान है जिसे स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने स्थापित किया था। यदि हम आज के प्रचलित और दूषित सामाजिक मानकों के आधार पर देखें, तो भगवान राम को क्षत्रिय होने के नाते सवर्ण वर्ग का प्रतिनिधि माना जा सकता है और माता शबरी को उनके भील मूल के कारण दलित, शोषित या आदिवासी वर्ग की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन सनातन संस्कृति की मूल चेतना इस प्रकार के वर्गीकरण को सिरे से खारिज करती है। भारतीय मनीषियों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म और भाव से महान बनता है। प्रत्येक जीव अपने पूर्व संचित कर्मों के आधार पर ही प्रारब्ध को प्राप्त करता है, और भक्ति मार्ग पर चलते हुए वह समस्त लौकिक बंधनों से मुक्त हो जाता है। शबरी माता का जीवन इसी सत्य का साक्षात्कार कराता है। वे अपने गुरु मतंग ऋषि के प्रति अगाध श्रद्धा रखती थीं और उन्हीं के आदेशानुसार निर्जन वन में साधु-संतों की सेवा में अपना जीवन व्यतीत कर रही थीं। तत्कालीन समाज में भी कुछ संकीर्ण सोच वाले लोग थे जो उन्हें अछूत मानकर तिरस्कृत करते थे, लेकिन शबरी की महानता देखिए कि वे उन अपमानित करने वाले लोगों की भी छुपकर सेवा करती रहीं। वे नहीं चाहती थीं कि जिन लोगों की वे सेवा कर रही हैं, उन्हें यह जानकर ग्लानि या दुख हो कि उनकी सेवा एक तथाकथित निम्न वर्ग की महिला द्वारा की गई है। उनकी इस निस्वार्थ और अहंकार-शून्य सेवा ने ही उन्हें उस पद पर प्रतिष्ठित किया, जहाँ तक बड़े-बड़े तपस्वी भी नहीं पहुँच पाए।

मतंग ऋषि ने शबरी की इसी निश्छल भक्ति से अभिभूत होकर समूचे ऋषि समाज के समक्ष यह घोषणा की थी कि साक्षात ईश्वर राम के स्वरूप में चलकर उनके आश्रम तक आएंगे। यह प्रसंग उन लोगों के गाल पर करारा तमाचा है जो स्वयं को श्रेष्ठ मानकर दूसरों को नीचा दिखाते हैं। उसे वर्ग के लिए भी सीख है, जो स्वयं को दीन हीन जानकार अपनी दुर्दशा के लिए अनारक्षित लोगों को दोषी ठहरा रहा है। जिस समय शबरी प्रतीक्षारत थीं, उसी समय के अनेक तथाकथित उच्च कुलीन और विद्वान ऋषि-मुनि भी वहां तपस्या कर रहे थे, जिन्हें इस बात का दंभ था कि भगवान सबसे पहले उनके पास आएंगे। वे पूजा-पाठ और कर्मकांडों में उलझे रहे, जबकि भगवान राम ने उन सभी पांडित्यपूर्ण आश्रमों को छोड़कर उस भीलनी की कुटिया को चुना जिसने अपना पूरा जीवन प्रेम और सेवा में समर्पित कर दिया था। रामायण और रामचरितमानस में यह प्रसंग अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि शबरी ही वह एकमात्र भक्त शिरोमणि हैं, जिन्हें भगवान श्री राम ने स्वयं नवधा भक्ति का उपदेश दिया। भगवान ने वहां जाति, कुल, धर्म या पद की महत्ता को पूरी तरह नकारते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि मानहुँ एक भगति कर नाता।आज के सवर्ण और आरक्षित, दोनों ही वर्गों को इस प्रसंग से गंभीर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। हम किस आधार पर एक-दूसरे से श्रेष्ठ या हीन होने का दावा करते हैं यदि हम स्वयं को सनातनी कहते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम सभी एक ही परमपिता परमात्मा की संतानें हैं। जब हमारे आराध्य देव ने स्वयं जाति-पाति का कोई भेद नहीं किया, तो फिर हम मनुष्यों को यह अधिकार किसने दिया कि हम समाज को इन कृत्रिम सीमाओं में बांधें क्या हम जातिवाद को बढ़ावा देकर अनजाने में यह सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं कि हमारी सोच हमारे भगवान से भी बड़ी है यदि राम ने शबरी को मां कहकर संबोधित किया, तो क्या हम अपने ही भाइयों को गले नहीं लगा सकते आज हिंदुत्व को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए एकात्म मानववाद के उसी मूल मंत्र की आवश्यकता है, जो मनुष्य और मनुष्य के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को स्वीकार नहीं करता। हमें समझना होगा कि जात-पात की ये दीवारें हमारी शक्ति नहीं, बल्कि हमारी कमजोरी हैं, जिनका लाभ बाहरी शक्तियां हमेशा से उठाती आई हैं। यदि भारत को अपनी सार्वभौमिकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना है, तो इन दीवारों को तोड़ना ही होगा।समरसता का अर्थ यह नहीं है कि हम केवल सतही तौर पर एक साथ बैठें, बल्कि इसका अर्थ है हृदय से एक-दूसरे के अस्तित्व को स्वीकार करना और सम्मान देना। सवर्ण वर्ग को अपनी श्रेष्ठता के दंभ को त्यागकर समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की उदारता दिखानी होगी, वहीं आरक्षित वर्ग को भी अतीत की कड़वाहट को छोड़कर सकारात्मकता के साथ मुख्यधारा में जुड़ना होगा। षड्यंत्रकारी ताकतें हमेशा हमें हमारे मतभेदों की याद दिलाती रहेंगी, लेकिन हमें अपनी साझा विरासत और आध्यात्मिक जड़ों को याद रखना है। माता शबरी का आश्रम केवल एक स्थान नहीं था, वह एक विचारधारा थी जहाँ समर्पण ने ऊंच-नीच को परास्त कर दिया था। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

स्क्रीन में सिमटती दुनिया और कमजोर होती बचपन की नजर

कांतिलाल मांडोतल

कभी बेंगलूरू जैसे शहरों में सुबह की शुरुआत खुली हवा, पेड़ों की हरियाली और दूर तक फैले मैदानों को निहारते हुए होती थी। आंखें सहज रूप से दूर तक देख लेती थीं, नजरें बिना किसी दबाव के काम करती थीं। लेकिन बीते एक दशक में यह दृश्य तेजी से बदला है। अब बच्चों और किशोरों की दुनिया कुछ इंच की स्क्रीन में सिमट गई है। मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप ने ज्ञान, मनोरंजन और संवाद को बेहद आसान बना दिया है, लेकिन इसी सुविधा की कीमत हमारी आंखें चुका रही हैं। आंखें, जो प्रकृति के हिसाब से दूर देखने और खुले वातावरण में काम करने के लिए बनी हैं, अब लगातार पास की चीजों पर टिके रहने को मजबूर हैं। इसका असर यह हुआ है कि कम उम्र में ही नजर से जुड़ी समस्याएं, खासकर मायोपिया यानी निकट दृष्टि दोष, तेजी से बढ़ रहा है।नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है।

> नेत्र रोग विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। अत्यधिक स्क्रीन टाइम, शारीरिक सक्रियता की कमी और असंतुलित जीवनशैली ने मिलकर बच्चों की आंखों पर ऐसा दबाव डाला है, जिसकी भरपाई आगे चलकर बेहद मुश्किल हो सकती है। हाल के स्वास्थ्य कार्यक्रमों और अध्ययनों में लाखों बच्चों की जांच के दौरान यह सामने आया है कि दृष्टि संबंधी समस्याएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि सामान्य होती जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए और चिंताजनक है क्योंकि बच्चों की आंखें अभी विकास की अवस्था में होती हैं और इस दौरान पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव जीवनभर साथ रह सकता है। मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चे, जैसे मोबाइल आदि हैं।

मायोपिया की समस्या को समझना जरूरी है। जब बच्चा लगातार पास की चीजों, जैसे मोबाइल स्क्रीन या किताब, पर ध्यान केंद्रित करता है तो आंखों की मांसपेशियां उसी स्थिति में ढलने लगती हैं। धीरे-धीरे आंख की संरचना में बदलाव आने लगता है और दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई देने लगती हैं। शुरुआत में यह समस्या हल्की होती है, लेकिन समय के साथ चश्मे का नंबर बढ़ता चला जाता है। कई मामलों में किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते बच्चों को मोटे लेंस लगाने पड़ते हैं। यह केवल देखने की समस्या नहीं है, बल्कि सिरदर्द, आंखों में जलन, थकान और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी परेशानियां भी साथ आती हैं।

स्क्रीन की लत का एक और गंभीर पहलू ड्राई आई सिंड्रोम है, जो पहले वयस्कों में ज्यादा देखा जाता था, लेकिन अब बच्चों में भी आम हो रहा है। जब हम स्क्रीन देखते हैं तो सामान्य से कम पलक झपकाते हैं। इससे आंखों की सतह सूखने लगती है, जलन और लालिमा बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर आंखों की प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा, नीली रोशनी का अत्यधिक संपर्क आंखों की रेटिना पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है, जिससे भविष्य में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

इस पूरी तस्वीर में सबसे ज्यादा चिंता की बात शिशुओं और छोटे बच्चों को मोबाइल और टीवी दिखाने की बढ़ती प्रवृत्ति है। कई अभिभावक बच्चे को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए स्क्रीन का सहारा लेते हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यह आदत बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और दृष्टि विकास तीनों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। शुरुआती वर्षों में बच्चे की आंखें और मस्तिष्क तेजी से विकसित होते हैं। इस दौरान स्क्रीन पर निर्भरता उनके प्राकृतिक सीखने की प्रक्रिया को बाधित करती है। आंखें गहराई, दूरी और गति को पहचानने का अभ्यास नहीं कर पातीं, जो आगे चलकर देखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

प्राकृतिक रोशनी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई अध्ययनों में यह साफ तौर पर सामने आया है कि जो बच्चे रोजाना पर्याप्त समय बाहर धूप में बिताते हैं, उनमें मायोपिया का जोखिम कम होता है। धूप में रहने से शरीर में विटामिन-डी का स्तर बेहतर होता है और आंखों में डोपामाइन का स्राव बढ़ता है, जो आंख की लंबाई को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके विपरीत, बंद कमरों में सीमित रहना और ज्यादातर समय स्क्रीन के सामने बिताना आंखों को उनके प्राकृतिक वातावरण से दूर कर देता है।पढ़ाई का दबाव, सुरक्षा की चिंता और डिजिटल मनोरंजन की उपलब्धता ने खेल के मैदानों को खाली कर दिया है। नतीजा यह है कि बच्चे न सिर्फ शारीरिक रूप से कम सक्रिय हो रहे हैं, बल्कि उनकी आंखों को भी वह राहत नहीं मिल पा रही, जिसकी उन्हें जरूरत है। आंखों के लिए दूर तक देखना एक तरह का व्यायाम है, जो उन्हें स्वस्थ रखता है। जब यह अभ्यास बंद हो जाता है तो आंखें कमजोर पड़ने लगती हैं।

दूरगामी परिणामों की बात करें तो यह समस्या केवल चश्मे तक सीमित नहीं रहती। उच्च स्तर का मायोपिया भविष्य में रेटिना डिटैचमेंट, ग्लूकोमा और मैक्युलर डिजनरेशन जैसी गंभीर आंखों की बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है। इसका मतलब है कि जो समस्या बचपन में शुरू होती है, वह वयस्कता में अंधेपन तक का कारण बन सकती है। इसके अलावा, कमजोर नजर का असर बच्चे के आत्मविश्वास, पढ़ाई और सामाजिक व्यवहार पर भी पड़ता है। बार-बार आंखों की थकान और सिरदर्द से जूझता बच्चा पढ़ाई में पिछड़ सकता है और खेलकूद से दूर हो सकता है।अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में बेहद अहम है। बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर रखना संभव नहीं है और न ही यह व्यावहारिक है। लेकिन संतुलन बनाना जरूरी है। स्क्रीन टाइम को सीमित करना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और बच्चों को बाहर खेलने के लिए प्रोत्साहित करना छोटे लेकिन प्रभावी कदम हो सकते हैं। भोजन में हरी सब्जियां, फल और पोषक तत्व शामिल करना भी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही, समय-समय पर आंखों की जांच करवाना समस्याओं को शुरुआती चरण में पकड़ने में मदद करता है।स्कूलों में लंबे समय तक डिजिटल पढ़ाई के बजाय मिश्रित तरीकों को अपनाया जाना चाहिए, जहां स्क्रीन और किताब दोनों का संतुलित उपयोग हो। बच्चों को आंखों की देखभाल के बारे में जागरूक करना और खुले में गतिविधियों के लिए समय निर्धारित करना भविष्य की पीढ़ी की दृष्टि बचाने की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8632

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	8		9		■	■	
10		11	■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8631 का हल

ना	क	■	जि	रा	फ	■	ब	ला
ज	■	बे	ब	स	■	स	हा	रा
■	प	ना	ह	■	क	री	ना	■
क	र	म	■	दा	स	ता	■	वि
ले	ख	■	का	म	ना	■	दु	ना
जा	■	व	ज	न	■	प	ला	श
■	म	ह	ल	■	प	ह	रा	■
स	न	म	■	न	ह	र	■	जा
जा	न	■	ह	म	ला	■	शा	न

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

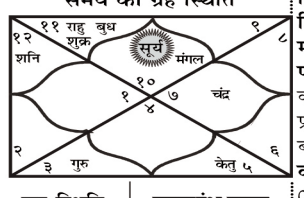

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मकर में
चंद्र	तुला में
मंगल	मकर में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	कुंभ में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कुंभ	06.57 बजे से
मीन	08.30 बजे से
मेष	10.00 बजे से
वृष	11.40 बजे से
मिथुन	13.38 बजे से
कर्क	15.52 बजे से
सिंह	18.08 बजे से
कन्या	20.20 बजे से
तुला	22.31 बजे से
वृश्चिक	00.45 ब.से
धनु	03.01 बजे से
मकर	05.07 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 39 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 05.03 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** गण्ड 00.08 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 15.55 बजे तदनन्तर बव 05.02 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 20.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 15° 04' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872614 **जूलियन दिन** 2461079.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सावान **तारीख** 19 **विशेष** भानु सप्तमी, शबरी जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

'मजबूत कानून, सुरक्षित अधिकार' के संदेश के साथ वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 का व्यापक प्रचार-प्रसार

अंबिकापुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अंबिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत हर्राटिकरा में कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में 'मजबूत कानून, सुरक्षित अधिकार' के संदेश के साथ वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। जिले में नागरिकों को उनके अधिकारों की जानकारी देने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा शासन की योजनाओं से जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान वीबी-जी राम जी अधिनियम से संबंधित जागरूकता पंपलेट का वितरण किया गया। ग्राम पंचायत हर्राटिकरा की सरपंच अमृता पैंकरा ने कहा कि हमारे गांव में आज रोजगार दिवस और आवास दिवस एक साथ मनाया गया। वीबी-जी राम जी अधिनियम 2025 के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी गई और पंपलेट वितरित किए गए। रोजगार दिवस के अवसर पर लोगों को 100 नहीं बल्कि 125 दिनों तक रोजगार के प्रावधान के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि गांव का हर पात्र परिवार योजनाओं का पूरा लाभ ले और समय पर आवास निर्माण व रोजगार कार्यों में जुड़ सके। रोजगार दिवस पर जी राम जी अंतर्गत कार्यों, मजदूरी भुगतान एवं रोजगार मांग पंजीयन की प्रक्रिया समझाई गई।

कलेक्टर डॉ संजय ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह के लिए कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना से जिला स्तर पर वर वधुओं के विवाह की तैयारी के लिए कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। यह कार्यक्रम कृषि उपज मंडी प्रांगण में आगामी सप्ताह में किया जाना निर्धारित है। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी उत्तम प्रसाद को समारोह की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार प्रकाश पटेल उपस्थित थे।

बिहान योजना से दरिमा की संध्या ने लिखी स्वावलंबन की नई इबारत

अंबिकापुर। महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के संकल्प के साथ संचालित 'बिहान' (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) ग्रामीण अंचल की महिलाओं में आत्मविश्वास और आर्थिक समृद्धि का नया सवेरा लेकर आ रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत दरिमा की रहने वाली संध्या यादव आज इसी सशक्तिकरण की एक जीती-जागती मिसाल बन चुकी हैं। कभी घर की चारदीवारी और आर्थिक तंगहाली के बीच संघर्ष करने वाली संध्या आज न केवल खुद स्वावलंबी हैं, बल्कि समाज में उनकी एक नई पहचान बनी है।संध्या बताती हैं कि उन्होंने समूह से जुड़कर 'बिहान' योजना के अंतर्गत 2 लाख रुपये का ऋण लिया और उसमें अपनी ओर से 2 लाख रुपये की व्यक्तिगत पूंजी लगाकर अपना व्यवसाय शुरू किया। मेहनत और लगन का परिणाम यह रहा कि आज उनकी मासिक बिक्री 50,000 रुपये तक पहुँच गई है।

मधुमक्खी पालन से खुला किसानों के आर्थिक समृद्धि का द्वार

विजय मत/कोरबा

जिला कोरबा में राज्य पोषित योजनांतर्गत परागण योजना के माध्यम से मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना ने विकासखण्ड पोंड़ी-उपरोड़ा के ग्राम कुटेश्वर, नगोई, बझेरा, सिंघिया और जुराली के किसानों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। कुछ वर्ष पहले तक ये किसान केवल धान की खेती पर निर्भर थे, जिससे उनकी आय सीमित रहती थी। मधुमक्खी पालन ने उन्हें कम लागत में अधिक लाभ कमाने का अवसर प्रदान किया और किसानों तथा युवाओं को नए स्वरोजगार से जोड़ा।

उद्यानिकी अधिकारी पी एस सिंह ने बताया कि किसानों द्वारा उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर मधुमक्खी पालन की सभी आवश्यक जानकारियाँ प्राप्त की गईं। कृषि उद्यान केन्द्र कटघोरा और शासकीय उद्यान रोपणी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद किसान मधुमक्खी पालन के

विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक तरीकों को सीख सके, जिसके परिणामस्वरूप वे कम लागत में अतिरिक्त आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मधुमक्खी पालन से एक पेटी में सालभर में लगभग 15 से 25 किलो तक शहद का उत्पादन होता है, जबकि 20 पेटियों से किसान एक से दो लाख रुपये तक की आमदनी प्राप्त कर सकते हैं।

मधुमक्खियों द्वारा फसलों में अधिक परागण होने से सब्जियों, दलहन, तिलहन तथा फलदार फसलों की पैदावार 15 से 30 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। शहद के साथ-साथ मोम, पराग, रॉयल जेली और मधुमक्खी विष जैसे उत्पादों की दवा, कॉस्मेटिक और आयुर्वेदिक उद्योगों में लगातार बढ़ती मांग ने किसानों की कमाई के नए रास्ते खोले हैं। मधुमक्खी पालन की सबसे बड़ी सुविधा यह है कि इसके लिए बड़ी जमीन की आवश्यकता नहीं पड़ती। किसान घर के आंगन या खेतों के किनारे आसानी से पेटियाँ रखकर उत्पादन कर सकते हैं और मौसम खराब होने पर भी शहद उत्पादन से आय बनी रहती है।

मधुमक्खी पालन योजना का मुख्य उद्देश्य परागण में वृद्धि कर फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार लाना तथा शहद उत्पादन के माध्यम से कृषकों को अतिरिक्त आय और रोजगार उपलब्ध कराना है। योजना के तहत प्रत्येक हितग्राही को 45 मधुमक्खी कॉलोनियाँ और 45 पेटिकाएँ प्रदान की गई हैं। मधुमक्खी के एक छत्ते की कुल लागत 2000 रुपये निर्धारित है, जिसमें 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 1000 रुपये का अनुदान किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासकीय चिकित्सक कार्यालयीन समय में शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई होगी: कलेक्टर

अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अधिकारी कार्यक्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें और समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करें। इस दौरान आयुष विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी. एस. मार्को, राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसम्बन्धित उपस्थित रहे। कलेक्टर वसंत ने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा दिया जाए, गृह प्रसव को शून्य करना हमारा लक्ष्य है। इस हेतु मितानीन की महत्वपूर्ण भूमिका है, लगातार गृह भेंट कर मॉनिटरिंग किए जाएं। उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं को विशेष निगरानी एवं उनके सुरक्षित प्रसव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सामान्य गर्भवती महिला का प्रसव संस्था में एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को उच्च अस्पताल रिफर किए जाने निर्देशित किया।

पशुधन व मत्स्य विभाग का संयुक्त स्टॉल बना खास आकर्षण, दिखी रोजगार की संभावनाएं

विजय मत/गरियाबंद

राजिम कुंभ कल्प में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुधन विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा नवीन मेला मैदान में संयुक्त स्टॉल लगाया गया है, जो श्रद्धालुओं और मेलार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टॉल पर विभागीय योजनाओं और तकनीकी जानकारियों के प्रति लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

पशुधन विभाग के स्टॉल में वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. बी.के. साहू द्वारा कृत्रिम गर्भाधान की प्रक्रिया के संबंध में मेलार्थियों को विस्तार से जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि गाय प्रत्येक 21 दिन में गर्म होती है और इस दौरान 12 घंटे के अंतराल में कृत्रिम गर्भाधान किया जाता है। इसके लिए उपयोग में लाया जाने वाला बीज केंद्रीय वीर्य संग्रहालय अंजोरा से प्राप्त किया जाता है। डॉ.

साहू ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान की यह सेवा पशुपालकों के लिए पूरी तरह निःशुल्क है, जिससे पशुधन की गुणवत्ता में सुधार के साथ किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलती है।

वहीं, मत्स्य पालन विभाग के स्टॉल में सजावटी मछलियों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है, जो खासतौर पर बच्चों और युवाओं को खूब लुभा रही है। मेलार्थी सजावटी मछलियों के साथ सेल्फी लेते नजर आ रहे हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से विभाग द्वारा जानकारी दी जा रही है कि सजावटी मछली पालन के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग को 60 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत तक शासकीय अनुदान दिया जाता है। प्रदर्शनी में गोल्ड फिश, सिल्वर बार्ब, रूपचंद, निऑन टेट्रा और कोई कार्प जैसी रंग-बिरंगी प्रजातियों की सजावटी मछलियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

कबीरपंथियों ने बेमेतरा में कब्जा हटाने को लेकर कलेक्टर से की शिकायत

विजय मत/बेमेतरा

शनिवार को बड़ी संख्या में कबीरपंथी समाज से जुड़े लोग कलेक्टर दफ्तर पहुंचे. नाराज लोगों ने अपनी मांगों के समर्थन में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन करने पहुंचे कबीरपंथी समाज से जुड़े लोगों का कहना था, श्री राम मंदिर समिति के द्वारा जमीन पर कब्जा किया गया है. जिस जमीन पर कब्जा किया गया है वहां पर कबीर भंडारा किया जाता रहा है. नाराज लोगों की शिकायत सुनने के बाद तहसीलदार ने उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है.समाज से जुड़े लोगों का कहना है, पूर्व में ही कबीरपंथी समाज और श्री राम मंदिर समिति के द्वारा ये तय किया गया था, कि खाली जमीन पर किसी तरह का कोई कब्जा नहीं होगा. जो जमीन खाली है उसका इस्तेमाल जरुरत के मुताबिक दोनों पक्ष करेंगे. कबीरपंथी समाज के लोगों का कहना है कि दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से इसको स्वीकार किया और कागज पर दस्तखत भी किए. लेकिन अब मंदिर समिति ने जमीन को अपने कब्जे में ले लिया है.

कलेक्टर से शिकायत करने पहुंचे लोगों को आरोप है, कि दोनों पक्ष जमीन नहीं घेरने को लेकर कागज पर दस्तखत कर चुके हैं.

जमीन कब्जे से जुड़ा ये पूरा विवाद ग्राम बहेरा, कारेसरा का है. गांव के लोगों का कहना है कि पूर्व में इसको लेकर विवाद हुआ था. विवाद पर जिला प्रशासन ने दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराई. दोनों पक्षों ने उस वक्त विवाद को खत्म करने पर आम सहमति जताई थी. कबीरपंथी समाज से जुड़े लोगों का कहना है कि शासन हमारी शिकायतों पर ध्यान दे और कब्जे को हटवाए. समाज के लोगों का कहना है कि अगर समाधान नहीं निकलता तो वो उग्र आंदोलन के लिए तैयार हैं. तहसीलदार अनिरुद्ध मिश्रा ने विवाद को जल्द सुलझाने की बात कही है.2023 में भी विवाद की स्थिति बनी थी. तब जिला प्रशासन की ओर से दोनों पक्षों के बीच बैठक कराकर विवाद को खत्म किया गया था. दोनों पक्ष यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए थे. उस वक्त लिखित में निर्देशित किया गया था कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी एक-एक झंडा पंचायत द्वारा निर्धारित भूखंड (2.5 डिसमिल) पर लगाएगें।

कोसीर और सरिया क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन में शामिल ट्रैक्टर जप्त

विजय मत/सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में खनिज अमला द्वारा विगत दिनों लगातार कार्यवाही में सारंगढ़ तहसील के ग्राम मल्दा, दहिदा एवं जसपुर क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 02 वाहन ट्रैक्टर, 05 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना कोसीर के सुरक्षार्थ में दिया गया। सरिया तहसील के पिहरा क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 03 ट्रैक्टर पर कार्यवाही करते हुए थाना सरिया के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही निरंतर जारी रहेगा।

कृषक समृद्धि सूचकांकों में बढ़ोत्तरी के लिए सभी विभाग मिशन मोड में कार्य करें: कलेक्टर

विजय मत/कोरबा

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को योजना अंतर्गत गंभीरता से कार्य करते हुए कृषक समृद्धि से जुड़े निर्धारित सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों से आगामी वर्ष के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करते हुए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने एवं जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कृषि विभाग को सभी पात्र किसानों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन पूर्ण कराने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही 'आरएईओ को लक्ष्य देकर गांव-गांव में शिविरों के माध्यम से किसान चौपाल आयोजित करने तथा उनका समयबद्ध शेड्यूल तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने किसान चौपाल में किसानो की आधार सीडिंग, भूमि सीडिंग, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण, विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत पात्र किसानों की पहचान एवं लक्ष्यपूर्ति जैसे कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जमीनी स्तर पर किसानों की पहचान कर उन्हें योजना से जोड़ने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति कर विभाग के आरएईओ एवं रिसोर्स पर्सन को प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। जिससे वे ग्रामीण क्षेत्रों में कृषकों को प्रशिक्षित कर सकें। कलेक्टर ने अगले एक वर्ष में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को वर्ष में एक फसल से द्वि-फसल लेने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आयल सीड, रामतिल की फसल क्षेत्र विस्तार के लिये इंटरक्रॉपिंग खेती के लिए किसानों को प्रेरित करने एवं कोदो,रागी जैसे मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने, एरिया एक्सपेंशन हेतु प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आरएईओ, कृषि सखी एवं पशु सखी के समन्वित सहयोग से किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की बात कही। उन्होंने जिले में नए कृषक उत्पादक संगठन का गठन कर अधिक से अधिक किसानों को एफपीओ से जोड़ने हेतु निर्देशित किया। बैठक में दुदावत ने पॉली बैग एवं शेडनेट खेती को बढ़ावा देने हेतु पात्र किसानों का प्रभावी चयन कर उन्हें सब्सिडी एवं योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित करने के निर्देश दिए।प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत केज कल्चर को प्रोत्साहित करने, मछली पालन गतिविधियों में वृद्धि तथा तालाब-डबरी निर्माण के लिए फील्ड स्तर से अधिकाधिक पात्र किसानों की पहचान कर प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिए गए। पशुपालन विभाग को कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाकर कार्य करने, टीकाकरण अभियान पूर्ण करने तथा इसके लिए अधिक शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने जिले में सिंचाई रकबा में बढ़ोत्तरी हेतु जल संसाधन विभाग को आवश्यक स्थानों में सिंचाई परियोजनाओं निर्माण की पहचान कर उनके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जिले में किसानों की फसलों के सुरक्षित भंडारण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टोरेज एवं कोल्ड स्टोरेज से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी विभागों को दिए।

तीन मजदूरों की मौत मामले में राइस मिल संचालक पर एफआईआर

विजय मत/सूरजपुर

सूरजपुर में तीन मजदूरों की मौत के मामले में कोल्ड स्टोरेज एंड एग्रो प्रोडक्ट के संचालक पर अपराध दर्ज किया गया है. इंडस्ट्रियल क्षेत्र नयनपुर के राइस मिल में काम करने के दौरान हादसे में हुए मजदूरों की मौत के मामले को लेकर पुलिस में राइस मिल संचालक पर एफआईआर दर्ज की है.

कब हुई थी घटना ?

13 दिसंबर को नयनपुर के मित्तल कोल्ड स्टोरेज एंड एग्रो प्रोडक्ट के राइस मिल में बोरी में चावल की भराई का काम चल रहा था. इसी दौरान कमजोर और जर्जर पार्टीशन दीवार अचानक भरभराकर गिर गई . दीवार के मलबे में दबकर वेद सिंह, भोजसाय और चुनगढ़ी गांव के विपुल राजवाड़े की मौत हो गई थी. वहीं एक अन्य घायल मजदूर गम्भीर रूप से घायल हो गया था. मामले की गम्भीरता को देखते हुए कलेक्टर एस जयवर्धन सहित एसएसपी प्रशांत ठाकुर मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने कड़े शब्दों में दोषियों पर कार्रवाई की बात कही थी.

तीन मजदूरों की मौत मामले में एक्शन

जांच में यह बात सामने आई कि कोल्ड स्टोरेज प्रबंधन ने मजदूरों को किसी प्रकार के सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए थे.जर्जर दीवार के पास उनके जान को जोखिम में डालकर काम कराया जा रहा था जिसके कारण ये हादसा हुआ- अभिषेक पैकरा, एसडीओपी

पुलिस के मुताबिक जांच में सामने आए तथ्यों के बाद अब कोतवाली पुलिस ने मिल के संचालक संदीप अग्रवाल के विरुद्ध बीएनएस की धारा 106 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

काम के दौरान युवक बेहोश होकर गिरा, इलाज के दौरान मौत

भिलाई के हथखोज इंडस्ट्रियल एरिया में हुए हादसे में एक युवक की मौत हो गई. श्री साईं इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में ड्यूटी के दौरान उपेंद्र साहू नामक युवक अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें युवक गिरते हुए दिख रहा है.इस घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने कंपनी के गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है. मृतक के परिवार में पत्नी, दो बच्चे और बुजुर्ग माता-पिता हैं, जिनका भरण-पोषण उपेंद्र ही करता था. परिजनों का कहना है कि भविष्य को सुरक्षित करने के लिए कंपनी उचित मुआवजा दे, ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े.मृतक के घर में मासूम बच्चे हैं,बूढ़े मां बाप है.हमारी यही मांग है कि उसकी पत्नी और परिवार को उचित मुआवजा राशि दी जाए,ताकि उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की जरुरत ना पड़े.अभी तक को कंपनी मालिक हमारे सामने नहीं आए हैं.हमारी उनसे अनुरोध है कि उचित मुआवजा राशि उन्हें दें-परिजन दूसरी ओर कंपनी प्रबंधन का कहना है कि परिजन 40 लाख रुपये की मांग कर रहे हैं, जो संभव नहीं है.वे सरकारी गाइडलाइन के आधार पर ही मुआवजा देने को तैयार हैं.जो भी कंपनी की गाइडलाइन हैं और जो सरकारी नियम है उसी के अनुसार हम मुआवजा देंगे. वो एक नैचुरल डेथ है,जिसमें वो चलते हुए गिरे हैं.जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया.जहां उनका इलाज हुआ।

वार्षिक सम्मेलन में शासकीय नवीन कन्या कॉलेज की छात्राओं ने दी रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति

विजय मत/सारंगढ़

शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सारंगढ़ के वार्षिक स्नेह सम्मेलन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ शारदा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे, अध्यक्ष जनपद पंचायत सारंगढ़ ममता ठाकुर, सत्ताधारी दल के वरिष्ठ सदस्य अरविन्द हरिप्रिया, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, तहसीलदार प्रकाश पटेल, आयोजक प्रभारी प्राचार्य रामचंद्र भैना, लोकेश्वर पटेल सहित कालेज के छात्र छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। अतिथियों ने अपने सम्बोधन में युवाओं को संबल, प्रेरणा और मार्गदर्शन दिए।

बिना बिजली और डीजल-पेट्रोल से होगी 100 एकड़ खेतों में सिंचाई

मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण प्रस्तावित, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने किया प्रोजेक्ट का निरीक्षण

विजय मत/जशपुरनगर। जिले में नवाचार आधारित सिंचाई व्यवस्था को सशक्त करते हुए पोंगरो एनीकट हाईड्रो पावर आधारित पम्पिंग योजना अब पूर्ण हो चुकी है। सरगुजा संभाग की यह पहली योजना विकासखंड कांसाबेल के ग्राम पंचायत पोंगरो में घुघरी नदी पर निर्मित की गई है।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूर्णतः शून्य कार्बन उत्सर्जन पर आधारित है। योजना में किसी भी प्रकार की पारंपरिक ऊर्जा जैसे बिजली, डीजल, पेट्रोल या सौर ऊर्जा का उपयोग नहीं किया गया है। केवल नदी के जल प्रवाह से उत्पन्न हाइड्रो पावर के माध्यम से टरबाइन चलाकर पानी का उद्वहन किया जा रहा है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विगत दिवस इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निरीक्षण अध्यक्ष जिला पंचायत सालिक साय एवं कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि परियोजना का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शीघ्र ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा इसका लोकार्पण प्रस्तावित है।

हाइड्रो पावर से संचालित अभिनव सिंचाई योजना : इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के डॉ. पुनीत सिंह द्वारा तकनीकी परामर्श प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रोजेक्ट के कार्य को तेजी से पूर्ण किया गया। यह योजना आधुनिक विज्ञान और स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। योजना अंतर्गत पूर्व निर्मित एनीकट से लगभग 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में प्लेटफॉर्म बनाकर एक टरबाइन पम्प स्थापित किया गया है। इस पम्प के माध्यम से नदी तल से लगभग 12 मीटर ऊंचाई तक तथा 200 मीटर दूर निर्मित वितरण टंकी में अधिकतम 17 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी भरा जाता है। इससे रबी एवं ग्रीष्म (जायद) फसलों के लिए निरंतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

किसानों को मिलेगा प्रत्यक्ष लाभ : इस अभिनव परियोजना से लगभग 100 एकड़ रबी एवं 40 एकड़ ग्रीष्मकालीन जायद फसल क्षेत्र को सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी, जिससे करीब 50 परिवार लाभान्वित होंगे। खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए पक्की सिंचाई नहरों एवं नालियों का निर्माण भी किया गया है, जिससे जल का समुचित वितरण सुनिश्चित हो सके। 2 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह योजना जिला प्रशासन जशपुर द्वारा जिला खनिज न्यास निधि, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) तथा जल संसाधन संभाग जशपुर के तकनीकी अभिसरण से पूर्ण की गई है।

नहर में घर का गंदा पानी बहाने पर लगेगा जुर्माना

जशपुरनगर जिले में सिंचाई सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं जल संरक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय तथा कलेक्टर रोहित व्यास ने विगत दिवस कांसाबेल क्षेत्र अंतर्गत निर्माणाधीन एवं प्रगतिरत एनीकट एवं नहर परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि कांसाबेल में नहर में गंदगी फैलाने, घरेलू अपशिष्ट जल प्रवाहित करने या अवैध अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण की शुरुआत मैनी नदी की सहायक घुघरी नदी पर निर्माणाधीन महादेव मुड़ा एनीकट से की गई। यह एक लिफ्ट इरीगेशन आधारित सिंचाई परियोजना है, जिसकी लंबाई 55 मीटर एवं ऊंचाई 2.5 मीटर है। इसमें 4 गेट लगेंगे। लगभग 5 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह एनीकट मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार वर्ष 2023 में स्वीकृत किया गया था। एनीकेट का कार्य तेजी से जारी है। अधिकारियों ने बताया कि एनीकट में पंप लगाकर किसान अपने खेतों तक सीधे पानी ले जा सकेंगे, जिससे महादेव मुड़ा सहित आसपास के गांवों में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी। इससे खेती को लाभ होगा, साथ ही पशु-पक्षियों के लिए भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध रहेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष और कलेक्टर ने कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए इसके पश्चात साजापानी डैम से आने वाले पानी की बेहतर सिंचाई एवं निस्तारी सुविधा के लिए कुदराझरिया एनीकट का निरीक्षण किया गया। पुराने एनीकट का जीर्णोद्धार कर इसकी ऊंचाई बढ़ाकर कुल 3 मीटर की गई है।

खबर सार

बिजली के दुश्मन गिरफ्तार: जांजगीर चांपा में ट्रांसफॉर्मर से मेटल चुराने वाले 6 चोर गिरफ्तार

जांजगीर चांपा। शिवरीनारायण पुलिस ने ट्रांसफॉर्मर और केबल वायर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है. मामले मे पुलिस ने बिलासपुर क्षेत्र के 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर 17 लाख का चोरी का माल बरामद किया. आरोपियों ने ट्रांसफॉर्मर चोरी करने के लिए एक बोलेरो वाहन को एम्बुलेंस बना कर चोरी के सामान का परिवहन किया था.दरअसल, शिवरीनारायण थाना में कनिष्ट यंत्री मनोज कुमार सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी. शिकायत में इंजीनियर ने दुरपा गांव मे 13-14 जनवरी की रात पुराने ट्रांसफॉर्मर से 230 किलो कॉपर वायर चोरी होने की शिकायत लिखाई. अधिकारी ने कहा कि 22 जनवरी को भी लोहर्सी गांव मे लगे ट्रांसफॉर्मर से 200 किलो कॉपर तार चोरी कर लिया गया. शिवरीनारायण पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की.जांच के दौरान रिस्दा गांव के कबाड़ी कि दुकान मे छापामार कार्रवाई की, जिसमे भारी मात्रा में चोरी के कॉपर तार बरामद किया गया. पूछताछ में कबाड़ी दुकान के संचालक कुंदन वानी ने आरोपियों के साथ संगठित हो कर ख़राब ट्रांसफॉर्मर और केबल की रेकी करते थे. बाद में फोन में फोटो लेकर अपने साथियों को वहां भेजा करते थे. चोर के साथ बाद में खराब ट्रांसफॉर्मर से वायर निकाल लिया करते थे. पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि आरोपी इतने शातिर थे कि उन्होंने चोरी करने से पहले रेकी किया करते और ग्रामीणों को शक ना हो इसके लिए बोलेरो वाहन पर एंबुलेंस लिख कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे. इस गिरोह ने बलौदा बाजार, बिलासपुर, रायगढ़ और जांजगीर के मुलमुला और अकलतरा थाना क्षेत्र मे 10 से अधिक चोरी की घटना को अंजाम दिया है. इस मामले में और भी आरोपी शामिल हैं जिनकी तलाश की जा रही है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव एनईएस पीजी कॉलेज में हुआ सीएसपीडीसीएल का जागरूकता कार्यक्रम

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा शासकीय राम भजन राय एनईएस पीजी कॉलेज, जशपुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएसपीडीसीएल की 25 वर्षों की उपलब्धियों के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मोर बिजली ऐप एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने हेतु नारा लेखन, पेंटिंग, रंगोली एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका जशपुर के अध्यक्ष अरविंद भगत एवं उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमरेंद्र उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में अरविंद भगत ने सीएसपीडीसीएल द्वारा प्रदत्त सेवाओं की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से ऊर्जा संरक्षण अपनाने तथा जिम्मेदार उपभोक्ता बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सीएसपीडीसीएल के यतीन्द्र गुप्ता द्वारा बिजली के सदुपयोग एवं व्यवस्था सुधार पर आधारित प्रेरणादायक गीत की प्रस्तुति दी गई, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। अतिथियों ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक जिम्मेदारी के विकास में सहायक होते हैं। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन दौलत राम चौहान द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सत्यप्रकाश कुमार, कार्यपालन अभियंता विनोद पंडित, सहायक अभियंता लुकमान खान तथा कनिष्ठ अभियंता दिनेश त्रिपाठी सहित सीएसपीडीसीएल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अधूरे आवास वाले हितग्राहियों को किया गया प्रेरित

पीएम आवास योजना के लाभार्थियों का गृह प्रवेश

विजय मत/बेमेतरा

जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालपुर में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत बेमेतरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेमलता पद्माकर रहीं। आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण कार्यों में गति लाना, हितग्राहियों को प्रोत्साहित करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के पूर्ण हो चुके आवासों के लाभार्थियों को चाबी वितरण कर विधिवत गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों को सम्मानित किया गया, जिससे अन्य हितग्राहियों को भी समय पर आवास निर्माण पूर्ण करने की प्रेरणा मिली। साथ ही ङ्कक्कत–क्रू–त एवं आवास योजना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया, जो कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा।

कानून प्रवर्तन

जिन हितग्राहियों के आवास निर्माण कार्य अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाए हैं, उन्हें गुलाब का फूल भेंट कर प्रोत्साहित किया गया तथा शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को यह भी बताया गया कि समय पर निर्माण पूर्ण करने पर किस्तों की राशि सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जाएगी।

आवास दिवस के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पारदर्शी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन, निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा हितग्राहियों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। वहीं रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीणों को ङ्कक्कत–क्रू–त के मुख्य उद्देश्य की जानकारी दी गई तथा यह समझाया गया कि यह योजना भविष्य में किस प्रकार रोजगार के अवसर सृजित करने, ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं। इन योजनाओं के माध्यम से जहां एक ओर ग्रामीणों को पक्के आवास की सुविधा मिल रही है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है और निरंतर प्रयास कर रहा है कि प्रत्येक पात्र परिवार को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके।

कार्यक्रम में जिला पंचायत के अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के कर्मचारी, पंचायत पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमुदाय ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं रोजगार गारंटी योजना के तहत हो रहे कार्यों की सराहना की और इनके सफल क्रियान्वयन हेतु अपना सहयोग व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत के अधिकारियों द्वारा किया गया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया गया, जिससे कार्यक्रम और भी उत्साहपूर्ण बन गया।

नवसंकल्प की सफलता

जशपुर के 12 युवाओं का अर्धसैनिक बलों में चयन

विजय मत/जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में संचालित नव संकल्प शिक्षण संस्थान ने एक बार फिर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। वर्ष 2025 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित कांस्टेबल जनरल ड्यूटी (एसएससी जीडी) परीक्षा के माध्यम से संस्थान के कुल 12 छात्र-छात्राओं का चयन विभिन्न अर्धसैनिक बलों में हुआ है। संस्थान की प्राचार्य दुर्गेश्वरी सिंह ने बताया कि एसएससी जीडी की लिखित परीक्षा फरवरी-मार्च 2025 में आयोजित की गई थी, जिसमें नव संकल्प शिक्षण संस्थान के 36 छात्र सफल हुए थे। इसके पश्चात शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं मेडिकल परीक्षण नवंबर-दिसंबर 2025 में सम्पन्न हुए। सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद हाल ही में घोषित अंतिम परिणाम में संस्थान के कुल एक दर्जन विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की। चयनित विद्यार्थियों में 5 का चयन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), 3 का केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), 2 का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), 1 का भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) तथा 1 का सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में बालेश्वर नाग, नोवेल टोप्पो, सोंकेश्वर प्रधान, नेहरू लाल एवं अरुण कुमार पैकरा का चयन सीआईएसएफ में हुआ है। ब्रिन्देश्वर एवं सृष्टि तिर्की बीएसएफ में चयनित हुए हैं। वहीं रोहित केरकेट्टा, अरविंद केरकेट्टा एवं सुरेन्द्र राम का चयन सीआरपीएफ में हुआ है। देव प्रसाद नाग का चयन एसएसबी तथा चन्दन कालो का चयन आईटीबीपी में हुआ है।

उल्लेखनीय है कि विगत वर्षों में भी नव संकल्प शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों का चयन देश के विभिन्न सुरक्षा बलों में हुआ है। वर्ष 2025 में ही संस्थान के 125 विद्यार्थियों का चयन होमगार्ड्स, जिला पुलिस बल एवं केन्द्रीय पुलिस बलों में हुआ है। पहले जशपुर जैसे सुदूर जिले के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब नवसंकल्प शिक्षण संस्थान जिले के युवाओं के लिए शासकीय सेवाओं में जाने का एक सशक्त और भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरा है। सभी चयनित विद्यार्थियों को नवसंकल्प शिक्षण संस्थान के समस्त स्टाफ द्वारा शुभकामनाएं दी गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

उपसंचालक कृषि द्वारा सेवा सहकारी समिति बुंदेला व गिरदावरी कार्यों का निरीक्षण

विजय मत/बेमेतरा। कृषि विभाग द्वारा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज 07 फरवरी 2026 को उपसंचालक कृषि मोरध्वज डड़सेना द्वारा जनपद नवागढ़ अंतर्गत सेवा सहकारी समिति बुंदेला का निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया गया।निरीक्षण के दौरान उपसंचालक कृषि ने समिति में संधारित अभिलेखों, भंडारण व्यवस्था, किसानों को प्रदत्त सेवाओं तथा विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुपालन की गहन समीक्षा की। उन्होंने समिति के माध्यम से किसानों को समय पर बीज, खाद एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी कृषि मौसम में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।इसके पश्चात उपसंचालक कृषि द्वारा ग्राम सेमरिया (नवागढ़) में गिरदावरी एवं डीसीएस सर्वे कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फसल क्षेत्र, बोनी की स्थिति, फसल प्रकार एवं गिरदावरी प्रविष्टियों की मैदानी जांच की गई तथा अभिलेखों से मिलान कर सत्यापन किया गया। उन्होंने गिरदावरी कार्य को पूरी गंभीरता, सटीकता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को फसल बीमा, समर्थन मूल्य एवं अन्य योजनाओं का लाभ सही रूप में मिल सके। निरीक्षण के दौरान सहायक संचालक कृषि देशराज यादव, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी नांदघाट एवं ष्ठष्टस्न सर्वेयर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान आवश्यक जानकारी प्रदान की तथा उपसंचालक कृषि के मार्गदर्शन में कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। उपसंचालक कृषि डड़सेना ने अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देशित किया कि सभी कृषि संबंधित कार्य पारदर्शी, त्रुटिरहित एवं किसान हित को सर्वोपरि रखते हुए संपादित किए जाएं। उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन से विभागीय योजनाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों का विश्वास भी सुदृढ़ होता है।

बैगा ट्राइबल आवास घोटाला: ठेकेदार गिरफ्तार, तकनीकी सहायक फरार

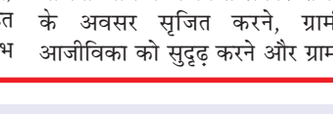

विजय मत/कबीरधाम। कबीरधाम पुलिस ने ट्रायबल एवं बैगा आवास योजना में हुई बड़ी धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में एक आरोपी ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि पंचायत का तकनीकी सहायक फरार है।पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भापुसे) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र कुमार बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना तरेगांव जंगल पुलिस ने यह कार्रवाई की।

मामले का खुलासा तब हुआ जब ग्राम पंचायत कुकरापानी के सचिव सिद्धराम मसराम ने 5 फरवरी 2026 को थाना तरेगांव जंगल में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि ट्रायबल एवं बैगा आवास योजना के तहत 21 लाख 50 हजार रुपये की राशि 30 अक्टूबर 2024 को ग्राम पंचायत के खाते में जमा हुई थी। यह राशि 17 बैगा परिवारों के आवास निर्माण के लिए थी।

शिकायत के अनुसार, जनपद पंचायत बोड़ला के माध्यम से तकनीकी सहायक पवन चंद्रवंशी और ठेकेदार छोटूराम चंद्रवंशी को भुगतान किया गया। तत्कालीन सरपंच, सरपंच पति और सचिव के साथ बैंक जाकर पूरी राशि निकालकर आवास निर्माण के लिए सौंप दी गई। बावजूद इसके, आज तक किसी भी बैगा परिवार का आवास निर्माण शुरू नहीं किया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि तकनीकी सहायक पवन चंद्रवंशी और ठेकेदार छोटूराम चंद्रवंशी ने मिलीभगत कर योजना की पूरी राशि हड़प ली, जिससे 17 बैगा परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। इस पर थाना तरेगांव जंगल में अपराध क्रमांक 03/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 316(5), 3(5) तथा अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(व) में मामला दर्ज किया गया।

पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0: शीर्ष 10 पंचायतो में बालोद जिले के 05 पंचायत शामिल

विजय मत/बालोद

भारत सरकार द्वारा पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 (पीएआई 2.0) का स्कोर कार्ड जारी किया गया है, जो सतत् विकास लक्ष्यों के 09 थीम पर आधारित है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा और सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 में राज्य स्तर पर सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाले शीर्ष 10 पंचायतों में बालोद जिले के 05 पंचायत झलमला, बागतराई, आनंदपुर, चिरचार एवं सोंहपुर भी शामिल है।

उप संचालक पंचायत काव्या जैन ने बताया कि बालोद जिले के ग्राम पंचायत झलमला ने सभी थीम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 78.77 अंक प्राप्त करते हुए पूरे राज्य में प्रथम स्थान एवं एवं सर्वश्रेष्ठ पंचायत का दर्जा प्राप्त किया है। इसके साथ ही गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बोरगहन (फु) ने थीम-04 पर्याप्त जल पंचायत में 90.71 अंक प्राप्त कर पूरे राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया है।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा और सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी ने आज संयुक्त जिला कार्यालय में राज्य स्तर पर इस उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पंचायत बनने पर ग्राम पंचायत झलमला की सरपंच चुम्मन ठाकुर एवं सचिव रमेश निषाद को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इसके साथ ही शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने वाले 05 पंचायतो के सरपंच ग्राम पंचायत बागतराई की सरपंच अनिता साहू, ग्राम पंचायत आनंदपुर के सरपंच तेजराम साहू, ग्राम पंचायत चिरचार की सरपंच कचरा बाई साहू, ग्राम पंचायत सोंहपुर की सरपंच सीमा साहू को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दी गई।

उल्लेखनीय है कि पंचायतीराज मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पंचायत उन्नति सूचकांक (पाई 2.0) पोर्टल, पंचायतों के प्रगति पर नजर रखने, हस्तक्षेपों को प्राथमिकता देने एवं पारदर्शिता बढ़ाने तथा सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु बनाया गया है। पंचायतो द्वारा 13 लाईन विभागों के 141 डाटा बिन्दुओं पर डाटा संग्रह कर सत्यापित डाटा पोर्टल में इंद्राज कराया गया था।

टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत से शुरुआत नीदरलैंड को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया

मुम्बई,एजेंसी

नई दिल्ली । पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले ही मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए अभियान की दमदार शुरुआत की। कोलंबो में खेले गए इस रोमांचक मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड को 19.3 ओवर में 7 विकेट पर 148 रन बनाकर 3 विकेट से मात दी। इससे पहले नीदरलैंड की टीम 19.5 ओवर में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही। सलामी बल्लेबाज सईम आयूब और साहिबजादा फरहान ने पहले विकेट के लिए 27 रन जोड़े। आयूब ने 13 गेंदों पर 24 रन बनाए, जबकि फरहान ने 31 गेंद में 47 रन की अहम पारी खेली। हालांकि बीच के ओवरों में पाकिस्तान की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और टीम बड़े नामों के बावजूद लगातार विकेट गंवाती रही। कप्तान सलमान अली आगा 12 रन पर आउट हुए, बाबर आजम ने 18 गेंदों में 15 रन बनाए। मोहम्मद नवाज और शादाब खान जैसी अनुभवी जोड़ियों से भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दोनों नाकाम रहे।

एक समय पाकिस्तान का स्कोर 17 ओवर में 115/7 था और टीम हार के काफी करीब नजर आ रही थी। आखिरी 18 गेंदों पर पाकिस्तान को 33 रन चाहिए थे। 18वें ओवर में नीदरलैंड ने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे समीकरण और मुश्किल हो गया। इसके बाद 19वें ओवर में फहीम अशरफ ने मैच का पूरा रुख बदल दिया। लोगन के ओवर में फहीम ने पहली, तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्के जड़े और ओवर की अंतिम गेंद पर गेंद को बाउंड्री पार भेजकर कुल 24 रन बटोर लिए। इससे पाकिस्तान को आखिरी 6 गेंदों में सिर्फ 5 रन की जरूरत रह गई।

अंतिम ओवर में फहीम अशरफ ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीसरी गेंद पर चौका लगाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी। वह 11 गेंदों में 29 रन बनाकर नाबाद लौटे और टीम के हीरो साबित हुए।

वमेंस फाइनल में सबालेंका 1ह्य रायबकिना

विमेंस सिंगल्स फाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना एलिना रायबकिना से होगा। यह मैच रॉड लेवर एरिना में 31 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से खेला जाएगा। टॉप सीड सबालेंका ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन की विमेंस सिंगल कैटेगरी के सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया।

रोनाल्डो फिर बदल सकते हैं क्लब

लिस्बन । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हमेशा से चर्चाओं में रहे हैं। विश्व के बेहतरीन स्ट्राइकर रोनाल्डो आजकल सऊदी अरब के क्लब अल नास्र में हैं पर कहा जा रहा है कि वह संतुष्ट नहीं हैं और किसी अन्य क्लब में जा सकते हैं। रोनाल्डो फुटबॉल जगत के सबसे चमकते सितारों में से एक हैं। ऐसे में उनको शामिल करने की दौड़ में कई क्लब आ जाएंगे। हैं। अपने करियर में वह मैनचेस्टर यूनाइटेड से लेकर रियल मैड्रिड और जुवेंटस तक छाये रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार हाल के महीनों में अल नास्र से रोनाल्डो के खुश नहीं होने से उनके किसी अन्य क्लब में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। ये भी कहा जा रहा है कि मोरक्को के क्लब वीदाद कासाब्लांका की नजरें उनपर हैं। वीदाद अफ्रीकी फुटबॉल में बड़ा नाम है और नियमित रूप से सीएएफ चैंपियंस लीग खेलता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्लब ने पहले भी रोनाल्डो को शामिल करने को लेकर रुचि दिखाई थी, जिससे अफ्रीकी फुटबॉल में उनके खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं।

इसके अलावा रियल मैड्रिड में

क्वार्टर फाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

मुम्बई, किंगदाओ

टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई।पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0- 3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय पुरूष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेगी।

फ्लैगशिप कैमरा और लैग-किलर परफॉर्मेंस का कॉम्बो, कितना दमदार है नया रेनो सीरीज?

भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा।टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई।गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा।

पहल हमेशा भारत ने की, जवाब कभी नहीं मिला

नई दिल्ली । टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत-पाकिस्तान मैच के बहिष्कार को लेकर जारी विवाद के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान हमेशा भारत से दोस्ताना कदम बढ़ाने की उम्मीद करता है, लेकिन ऐसा कोई सकारात्मक रुख पाकिस्तान की ओर से कभी दिखाई नहीं दिया। गावस्कर ने 2008 के आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा कि लीग की शुरुआत में लगभग हर फ्रेंचाइजी में पाकिस्तानी खिलाड़ी मौजूद थे और कई पाकिस्तानी कमेंटेटर्स को भी भारत में काम करने का मौका मिला। यहां तक कि तब भी जब दोनों देशों के रिश्तों में आज जैसी तल्खियां नहीं थीं। उन्होंने सिर्फ क्रिकेट ही नहीं।

भारत-पाकिस्तान मैच पर अनिश्चितता बरकरार

नई दिल्ली,एजेंसी

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में निर्धारित भारत और पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबले पर अब भी सस्पेंस छाया हुआ है। बांग्लादेश के साथ हुई घटना के बाद पाकिस्तान सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ मैदान में नहीं उतरेगी। इसके बावजूद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी तक आईसीसी को इस फैसले की आधिकारिक लिखित सूचना नहीं दी है। इस बीच आईसीसी और पीसीबी के बीच बैक-चैनल बातचीत जारी है, लेकिन मैच का भविष्य अधर में लटका हुआ है।

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भी इस मुद्दे पर सक्रियता दिखाई है। एसएलसी ने पीसीबी को चिट्ठी लिखकर चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के फैसले से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा, क्योंकि मुकाबला कोलंबो में खेला जाना है और टिकट बिक्री सहित कई आय स्रोत दांव पर हैं। हालांकि पीसीबी ने अपने रुख में बदलाव से इनकार करते हुए एसएलसी को स्पष्ट कर दिया है कि वे फिलहाल इस निर्णय पर कायम हैं। इन विवादों के बीच एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है श्रीलंकाई पुलिस इस राजनीतिक गतिरोध से अप्रभावित होकर भारतङ्कपाकिस्तान मैच की सुरक्षा तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को मैच रद्द होने की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है। इसलिए 15 फरवरी के मुकाबले को लेकर सुरक्षा और ट्रैफिक योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

श्रीलंकाई पुलिस ने बयान जारी कर पुष्टि की है कि आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले तीन हाई-प्रोफाइल मैचों के लिए विशेष सुरक्षा ब्लूप्रिंट तैयार कर लिया गया है। इसमें 8 मार्च को श्रीलंका-आयरलैंड, 15 फरवरी को भारतङ्कपाकिस्तान और 19 फरवरी को श्रीलंका-जिम्बाब्वे के मुकाबले शामिल हैं। इन मैचों के लिए स्टेडियम के भीतर और आसपास कड़े सुरक्षा इंतजाम लागू होंगे। दर्शकों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रैफिक रूट तय किए जाएंगे और शटल ट्रांसपोर्ट सेवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए 1,500 पुलिस अधिकारी और 600 ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती पहले ही कर दी गई है।

अब गेंद पीसीबी और आईसीसी के पाले में है। जबकि राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव बढ़ रहा है, श्रीलंका में सुरक्षा एजेंसियाँ मान रही हैं कि मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही होना चाहिए।

चिट्ठी लिखकर चेतावनी

चिट्ठी लिखकर चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के फैसले से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होगा, क्योंकि मुकाबला कोलंबो में खेला जाना है और टिकट बिक्री सहित कई आय स्रोत दांव पर हैं। हालांकि पीसीबी ने अपने रुख में बदलाव से इनकार करते हुए एसएलसी को स्पष्ट कर दिया है कि वे फिलहाल इस निर्णय पर कायम हैं। इन विवादों के बीच एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है श्रीलंकाई पुलिस इस राजनीतिक गतिरोध से अप्रभावित होकर भारत-पाकिस्तान मैच की सुरक्षा तैयारियों में पूरी तरह जुटी हुई है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को मैच रद्द होने की कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है।

वैभव सूर्यवंशी को शानदार प्रदर्शन के लिए मिले दो बड़े अवॉर्ड

कराची । नई दिल्ली । अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर इतिहास रच दिया और रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। हरारे में खेले गए इस हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारतीय टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे की सूझबूझ भरी अगुवाई और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी की बदौलत 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवर में 311 रन बनाकर ढेर हो गई और भारत ने एकतरफा जीत हासिल की।

फाइनल में भारत की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने दबाव और परिस्थितियों को दरकिनार कर 80 गेंदों पर 175 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता, तकनीक और अद्भुत आत्मविश्वास का ऐसा मिश्रण देखने को मिला जिसने इंग्लैंड के गेंदबाजों की पूरी योजना को ध्वस्त कर दिया। सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत से ही मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया और टीम को 400 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस बड़े मंच पर उनकी परिपक्वता और निडर खेल ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सिर्फ इतना ही नहीं, पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक रन भी बनाए। 439 रन, 62.71 की औसत, 175 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर और कुल चार 50+ पारियों के दम पर उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी मिला।

व्यापार

आरबीआई ने छोटे कारोबारियों के लिए बढ़ाई कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा

मुंबई,एजेंसी

- कोलैटरल-फ्री लोन सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख की

मुंबई (ईएमसएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद छोटे कारोबारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। आरबीआई ने माइक्रो और स्मॉल एंटरप्राइजेज (एमएसई) के लिए कोलैटरल-फ्री लोन की सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी है। यह नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा और उसके बाद स्वीकृत या रिन्यू होने वाले सभी लोन पर लागू रहेगा। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य छोटे उद्यमियों को बिना संपत्ति गिरवी रखे अधिक लोन उपलब्ध कराना और उन्हें औपचारिक बैंकिंग सिस्टम से जोड़ना है। पहले कई छोटे व्यवसायियों को गिरवी की कमी के कारण महंगे अनौपचारिक कर्ज का सहारा लेना पड़ता था। अब वे आसानी से बैंक से 20 लाख रुपए तक का लोन ले सकेंगे, जो मशीनरी खरीदने, स्टॉक बढ़ाने और कारोबार विस्तार में सहायक होगा। और यह लाखों लोगों को रोजगार देता है। माइक्रो एंटरप्राइज में निवेश 2.5 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 10 करोड़ रुपए तक होता है, जबकि स्मॉल एंटरप्राइज में निवेश 25 करोड़ रुपए तक और टर्नओवर 100 करोड़ रुपए तक हो सकता है।इस फैसले से छोटे उद्योगों को औपचारिक क्रेडिट सिस्टम से जोड़ने में मदद मिलेगी। आरबीआई का यह कदम न केवल छोटे कारोबारियों के लिए राहत देगा, बल्कि देश की आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने और उद्यमिता को प्रोत्साहित है।

तरलता पर्याप्त स्तर पर रहेगी

आरबीआई की नीति स्थिर, तरलता पर्याप्त; आर्थिक वृद्धि के लिए सहायक कदम

- डॉलर-रुपया विनिमय दर 90-91 रुपये प्रति डॉलर के दायरे में रहने का अनुमान

मुंबई (ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने हाल ही में अपनी नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों को पहले के स्तर पर बनाए रखने और नीति को तटस्थ रखने का निर्णय लिया। गवर्नर ने स्पष्ट किया कि कर्ज का प्रवाह अर्थव्यवस्था की उत्पादक गतिविधियों के अनुसार होगा, जिससे आर्थिक विकास को सहारा मिलेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में तरलता पर्याप्त स्तर पर रहेगी। चालू वित्त वर्ष में बैंकिंग प्रणाली में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की नकदी डाली गई है। बैंकों का अनुमान है कि अगले वित्त वर्ष में 4-5 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त तरलता उपलब्ध कराई जा सकती है। यह कदम बॉन्ड और कॉल मनी मार्केट सहित सभी वित्तीय बाजारों में नीतिगत प्रभावों के प्रसार में मदद करेगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ हाल में घोषित व्यापार समझौतों से देश की आर्थिक वृद्धि के अनुमान 6.9 फीसदी से बढ़कर 7.1-7.2 फीसदी है।

रि प्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में पिछले दो दिनों से भारी अस्थिरता देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन गुरुवार को 12.6 फीसदी गिरकर 63,300 डालर तक पहुंच गई, जो अक्टूबर 2024 के बाद का सबसे निचला स्तर है। शुक्रवार को बिटकॉइन करीब 9 फीसदी और गिरकर 65,000 डालर के आसपास ट्रेड करने लगी। इस हफ्ते बिटकॉइन में कुल 17 फीसदी और साल 2026 में अब तक 28 फीसदी की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी दबाव में रही और एक दिन में 13 फीसदी से अधिक गिर गई, जबकि साल 2026 में इसमें करीब 38 फीसदी की गिरावट हो चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों की जोखिम से दूरी, भारी लिक्विडेशन और अमेरिकी मौद्रिक नीति में सख्ती की आशंकाओं ने बाजार को झटका दिया। कॉइनग्लास के आंकड़ों के मुताबिक केवल 24 घंटों में 1 बिलियन डालर है।

जनवरी में 2.36 लाख बिकी मारुति ने तोड़ा रिकार्ड, विक्टोरिस ने बनाई जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते जनवरी महीने में मारुति सुजुकी जनवरी में 2.36 लाख से ज्यादा गाड़ियां बेचकर अपने पुराने सेल्स रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इसमें सबसे बड़ा योगदान नई एसयूवी विक्टोरिस का रहा। एरिना डीलरशिप पर बिकने वाली इस गाड़ी ने जनवरी में अब तक की सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की और टॉप-10 कारों की लिस्ट में जगह बनाई।

विक्टोरिस की कुल 15,240 यूनिट बिकीं, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.50 लाख रुपए है। विक्टोरिस ने टॉप-10 एसयूवी की लिस्ट में भी सभी लोकप्रिय मॉडलों को पीछे छोड़ दिया। इसमें मारुति फ्रोंक्स, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा बोलेरो और किआ सोनेट जैसी एसयूवीएस शामिल हैं। साथ ही मारुति ग्रैंड विटारा, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सह्न, थार, टोयोटा हाइराइडर, किआ सेल्टोस और एक्सयूवी 700 को भी यह पीछे

छोड़ने में सफल रही। विक्टोरिस में तीन इंजन विकल्प मिलते हैं। इनमें 103एचपी वाला 1.5-लीटर माइल्ड हाइब्रिड पेट्रोल, 116एचपी वाला 1.5-लीटर स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और 89एचपी वाला 1.5-लीटर पेट्रोल-सीएनजी शामिल हैं। गियरबॉक्स विकल्पों में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटो और ई-सीवीटी शामिल हैं। इसके साथ ऑल-व्हील ड्राइव का विकल्प भी उपलब्ध है। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग, एबीएस-ईबीडी, ट्रैक्शन कंट्रोल, इसोफिक्स, 360-डिग्री कैमरा और अडास लेवल 2 फीचर्स हैं।

विक्टोरिस को 5-स्टार भारत एनकैप क्रैश सेफ्टी रेटिंग भी मिली है। इस एसयूवी की शानदार बिक्री और फीचर्स ने इसे 2026 की सबसे चर्चित मॉडल बना दिया है। डिजाइन और फीचर्स की बात करें तो विक्टोरिस में बड़े एलईडी हेडलाइट्स, 18-इंच एलॉय व्हील्स, सिल्वर रूफ रेल और ब्लैक पिलर दिए गए हैं। इंटीरियर में 10.25-इंच टचस्क्रीन, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा सर्वोपरि, वेनेजुएला से तेल खरीदने को तैयार: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला लंबे समय से उसका महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार रहा है और भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में वेनेजुएला सहित किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने को तैयार है, बशर्ते यह व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य हो। विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत ने 2019-20 और 2023-24 के दौरान भी वेनेजुएला से तेल आयात किया था। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 तक वेनेजुएला भारत के कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में शामिल था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते आयात रोक दिया गया। 2023-24 में आयात दोबारा शुरू हुआ, हालांकि बाद में प्रतिबंधों के कारण इसे फिर से निलंबित करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिसमें कहा गया था कि भारत ईरान की बजाय वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदने को तैयार है, भारत की प्राथमिकता 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करना है। भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण किया है और सरकारी कंपनियां 2008 से वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पीडीवीएसए के साथ साझेदारी में काम कर रही हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 723.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। यह पिछले सप्ताह के 709.41 अरब डॉलर से 14.4 अरब डॉलर अधिक है। इससे पहले 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार में 8.05 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि यह भंडार लगभग 11 महीने के वस्तु आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति मजबूत है और देश अपनी विदेशी वित्तीय होगी।

बाजार भारतीय शेयर बाजार ने ट्रेड डील और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन देखा, जिसमें व्यापार समझौते और बजट के प्रभाव ने निवेशकों की भावना पर बड़ा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान पर हुई, लेकिन ब्लू-चिप कंपनियों में मजबूती और मूल्य-खरीदारी ने सेंसेक्स और निफ्टी को सकारात्मक रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया। बीएसई सेंसेक्स 302 अंक की बढ़त के साथ 81,024.94 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 59.25 अंक बढ़कर 24,884.70 पर बंद हुआ। रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे मजबूत होकर 91.56 पर आ गया। मंगलवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की घोषणा ने बाजार में उत्साह भर दिया। सेंसेक्स ने दिन में 4,205.27 अंक की छलांग लगाते हुए 85,871.73 के उच्चतम स्तर को छुआ और अंततः 2,072.67 अंक बढ़कर 83,739.13 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 682 अंकों की तेजी के साथ 25,770.40 पर बंद हुआ। यह सप्ताह का सबसे जोरदार रुख रहा, जिससे निवेशकों की विश्वास में स्पष्ट बढ़त देखने को मिली। सप्ताह के मध्य बुधवार को बाजार मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 पर और निफ्टी 48.45 अंक बढ़कर 25,776 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को बाजार फिर लाल निशान में आ गया, सेंसेक्स 503.76 अंक गिरकर 83,313.93 और निफ्टी 133.20 अंक गिरकर 25,642.80 पर बंद हुए। यह गिरावट कुछ हद तक अमेरिकी बाजारों में कमजोरी और तकनीकी सुधार की वजह से आई। सप्ताह के अंत में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में कमजोरी के बावजूद बाजार ने रिकवरी की।

बढ़त के साथ 83,580.40 पर और निफ्टी 50.90 अंक की तेजी के साथ 25,693.70 पर बंद हुआ। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते और बजट के असर के चलते उतार-चढ़ाव भरा प्रदर्शन दर्ज किया।

अबूझमाड़ का गौरव: मल्लखंब के नन्हे वीरों ने राष्ट्रपति के समक्ष दिखाई अद्भुत कला

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया विकास कार्यो का भूमिपूजन व लोकार्पण

वार्डो में विकास कार्य यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रतिभा हर परिस्थिति में निखरती : डॉ प्रीति

महतारी सदन: महिला एवं बाल विकास का नया अध्याय

प्रयास करते रहना ही जीवन का मुख्य उद्देश्य हो: सत्य नारायण शर्मा

CHHHIN/2017/75508 ... 8889977997